हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 22, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 20 जुलाई, 2023 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

छह वर्षों में स्कूलों में 55 से 60 लाख अतिरिक्त बच्चों की संख्या बढ़ी : योगी

यूपी में समग्र विकास की भावना को साकार करते हुए क्रांतिकारी परिवर्तन लाने का किया गया प्रयास

लखनऊ। 2017 से पहले बेसिक शिक्षा स्कूलों में बच्चे आने से डरते थे, लोगों में उत्साह नहीं था। स्कूलों में पेड़ों की जगह झाड़ियां जमा रहती थीं। आज उन्हीं विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ती हुई दिखाई देती है। स्कूलों की दीवारों पर बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति पेंटिंग के रूप में दिखाई देती है। आज अभिभावक अपने बच्चे को स्कूल भेजना चाहता है। उसके मन में जिज्ञासा पैदा हुई है।

विगत 6 वर्षों में 55 से 60 लाख अतिरिक्त बच्चे बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में आए हैं। आज बेसिक स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या 1 करोड़ 91 लाख को पार कर चुकी है। जब इस संख्या को देखता हूं तो सोचता हूं कि कई देशों की आबादी इतनी नहीं है। विगत 6 वर्षों में उत्तर प्रदेश में समग्र विकास की भावना को साकार करते हुए क्रांतिकारी परिवर्तन लाने का प्रयास किया गया है। यह बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को शिक्षा सत्र 2023-24 में बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को ड्रेस, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता-मोजा एवं स्टेशनरी की खरीद के लिए प्रति छात्र-छात्रा 1200 रुपए की धनराशि उनके माता-पिता के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से जारी करते हुए कहीं।

डीबीटी के माध्यम से जारी की गई राशि की निगरानी करें शिक्षक- सीएम योगी ने कहा कि डीबीटी के माध्यम से जो पैसा यूनिफॉर्म, जूते-मोजे और स्टेशनरी के लिए भेजा गया है, उसमें हमारे शिक्षकों की भी जिम्मेदारी है कि वो सुनिश्चित करें कि बच्चे नियमित रूप से यूनिफॉर्म में स्कूल आएं। उम्मीद की जाती है कि हर शिक्षक बच्चे के लिए यूनिफॉर्म बनवाने को अभिभावक के साथ बैठक कर चर्चा करेगा, ताकि समयसीमा में बच्चे यूनिफॉर्म, किताबें, जूते-मोजे पा सकें। दो-तीन वर्ष पहले तक यह शिकायत आती थी कि यूनिफॉर्म नहीं मिल पा रहा, बुक्स नहीं मिल पा रही है। आज पैसा अभिभावक के खाते में जा रहा है, जो पारदर्शिता का नमूना है। इसकी मॉनीटरिंग विद्यालय स्तर पर प्रधानाचार्य के माध्यम से, शिक्षकों के माध्यम से होनी चाहिए। अभिभावकों के साथ जब संवाद होगा तो समस्या के समाधान के साथ सही आंकड़े भी हमारे पास आ पाएंगे कि वास्तव में कितने बच्चे बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में अध्ययन कर रहे हैं। इसी तरह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि जो बच्चे आधे में स्कूल छोड़ देते हैं इसके लिए अभिभावकों से बातचीत की जाए। ये बच्चे पढ़ लिख जाएंगे तो सकारात्मक योगदान दे पाएंगे।

6 वर्ष में की गई 1.64 लाख शिक्षकों की भर्ती- सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले की स्थिति क्या थी, शिक्षकों की भारी कमी थी। मुझे आश्चर्य होता है कि कुछ लोग इस बात की चर्चा करते हैं कि 5 वर्ष से शिक्षकों की भर्ती नहीं हुई। पिछले 6 वर्ष में एक लाख 64 हजार शिक्षकों की भर्ती बेसिक और माध्यमिक शिक्षा परिषद में हुई है। जो लोग रिटायर हो रहे हैं, जहां अतिरिक्त शिक्षकों की आवश्यकता होती है, वहां पर निरंतर इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी के लिए प्रदेश के अंदर एक शिक्षा आयोग बनाने की प्रक्रिया वर्तमान में प्रचलित है और बहुत जल्द हम इसका गठन करने जा रहे हैं। इसके साथ ही समय समय पर शिक्षकों के रिफ्रेशर कोर्स चलाने चाहिए। शिक्षक यदि अपडेट होगा तो वो पूरी पीढ़ी को अपडेट कर देगा। हमारा प्रयास होना चाहिए कि डायट खाली न हो, योग्य शिक्षक जाएं।

उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार से की मुलाकात

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में इन दिनों मानसून सत्र चल रहा है और आज उसका तीसरा दिन था। वहीं महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने अपने बेटे आदित्य के साथ मुंबई में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार से मुलाकात की। उद्धव ठाकरे ने डिप्टी सीएम अजित पवार से बारिश, बाढ़ के हालातों के साथ राज्य के किसानों को लेकर भी चर्चा की। उद्धव ठाकरे बुधवार को विधान भवन में कार्य के लिए आए थे, उन्होंने और आदित्य ठाकरे ने अजित पवार से मुलाकात की। ये बैठक अजित पवार के हॉल में हुई। विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति या पार्टी के खिलाफ नहीं है, बल्कि तानाशाही के खिलाफ है। देश और मातृभूमि से प्यार करने वाली पार्टियां एक साथ आ गई हैं। नेता, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आते हैं और जाते हैं। लेकिन जो मिसाल कायम की जा रही है वह देश के लिए हानिकारक है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैंने अजित पवार के साथ ढाई साल तक काम किया है। मैं उनकी कार्य पद्धति को जानता हूं। हम जानते हैं, अन्य लोग सत्ता के लिए दौड़ रहे हैं, लेकिन उम्मीद है कि वे समय पर राज्य के लोगों की मदद करेंगे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि एक बार फिर राज्य के खजाने की चाबी उनके पास है।

चमोली में बड़ा हादसा, नमामि गंगे प्रोजेक्ट की साइट पर फैला करंट, दरोगा समेत 16 की मौत, कई झुलसे

चमोली। उत्तराखंड के चमोली में बुधवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। चमोली बाजार के पास अलकनंदा नदी के किनारे नमामि गंगे प्रोजेक्ट की साइट पर अचानक करंट फैल गया। दर्दनाक हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई है। कई लोग बुरी तरह झुलसे हैं। मृतकों में पीपलकोटी चौकी प्रभारी प्रदीप रावत और होमगार्ड मुकंदीलाल भी शामिल हैं। चमोली आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। वहीं सात लोग झुलसे हैं। हादसे में मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है। जानकारी के अनुसार, चमोली में नमामि गंगे प्रोजेक्ट की साइट पर काम चल रहा है। बुधवार को जिस समय हादसा हुआ, उस वक्त साइट पर 24 लोग मौजूद थे, झुलसे से करीब 16 लोगों की मौत हुई है।

चमोली के ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता अमित सक्सेना ने बताया कि बीती रात को बिजली का तीसरा फेस डाउन हो गया था। बुधवार को सुबह तीसरे फेज को जोड़ा गया, जिसके बाद सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट परिसर में करंट दौड़ गया। ट्रांसफार्मर से लेकर मीटर तक कहीं एलटी और एसटी के तार नहीं टूटे हैं, मीटर के बाद तारों में करंट दौड़ा है। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि रात में यहां रहने वाले केयर टेकर का सुबह फोन नहीं लग रहा था। जिसके बाद परिजनों ने साइट पर आकर खोजबीन की। तब सामने आया कि केयर टेकर की करंट लगने से मौत हुई है। सूचना मिलते ही परिजनों के साथ कई ग्रामीण भी साइट पर पहुंच गए। जब वह यहां पहुंचे तो पुलिस मामले की जांच कर रही थी।

इस दौरान वहां दोबारा से करंट फैल गया। जिसकी चपेट में कई लोग आ गए। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने करंट से लोगों की मौत के मामले में मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही अधिकारियों को घटना की विस्तृत और गहन जांच के भी निर्देश दिए। उन्होंने डीएम चमोली से घटना की जानकारी ली। सीएम धामी ने कहा कि झुलसे लोगों को देहरादून लाया गया है। उनके इलाज में कोई कमी नहीं होगी। उनके लिए हेलिकॉप्टर भेजा था। गंभीर रूप से झुलसे जल संस्थान के जेई संदीप मेहरा और सुशील कुमार समेत छह लोगों को हेलिकॉप्टर से एम्स ऋषिकेश व अन्य अस्पतालों में भेजा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली घटना में मृतकों के आश्रितों को पांच-पांच लाख रुपए और घायलों को एक-एक लाख रुपए की राहत राशि देने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फोन कर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से चमोली घटना के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

ताजमहल के महताब बाग में घुसा पानी, बेबी ताज सहित छह स्मारक जलमग्नः पर्यटकों के लिए किए गए बंद

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में यमुना किनारे स्थित राष्ट्रीय महत्व के संरक्षित स्मारक व बगीचों को बाढ़ के पानी से भारी नुकसान हुआ है। महताब बाग में पानी भर गया है। जिसे पर्यटकों के लिए बंद करना पड़ा है। बेबी ताज के नाम से मशहूर एत्माउद्दौला के पिछले हिस्से में यमुना किनारे स्थित कोठरियां डूब गई हैं। एत्माउद्दौला की पिछली दीवार को छूकर यमुना बह रही है। यहां नूरजहां की कब्र से आगे पर्यटकों को नहीं जाने दिया जा रहा है। बारादरी में जाने पर रोक है। एत्माउद्दौला के संरक्षण सहायक रवि प्रताप मिश्रा ने बताया कि अगले आदेश तक महताब बाग बंद रहेगा। बगीचों में अंदर तक पानी भर गया है। ताज व्यू प्वाइंट डूब गया है। इसके अलावा चीनी का रोजा के बराबर स्थित काला गुंबद स्मारक में पानी भरा है। बत्तीसखंबा, जोहरा बाग, रामबाग स्थित सराय ए-गेट-वे सतकुइयां स्मारक डूब गए हैं। उधर,

ताजमहल के रिवर साइड गार्डन में पानी भरा है। खान ए आलम स्मारक में भी जलभराव है। हालांकि ताजमहल में बाढ़ के पानी से किसी तरह का नुकसान नहीं है। एएसआई आगरा सर्किल अधीक्षण पुरातत्वविद राजकुमार पटेल ने बताया कि नुकसान का विस्तृत आंकलन करने के लिए ड्रोन से सर्वे कराया है। एत्माउद्दौला सब सर्किल के 6-7 स्मारकों में बाढ़ से नुकसान हुआ है। बगीचे खराब हो गए हैं। पानी उतरने के बाद स्थिति अधिक स्पष्ट हो सकेगी। एत्माउद्दौला में ताजमहल की तर्ज पर नदी किनारे 22 कोठरियां बनी हैं। जो बंद रहती हैं। संरक्षण सहायक रवि प्रताप के अनुसार कोठरियां पानी में आधी डूब गई हैं। नदी में बह कर आई सिल्ट जमा हो गई है। जलस्तर बढ़ता रहा तो एत्माउद्दौला को भी पर्यटकों के लिए बंद किया जा सकता है। हालांकि मंगलवार शाम तक स्मारक के अंदर बगीचों में पानी नहीं भरा था। उधर, बाढ़ से आई सीलन को स्मारक के लिए बड़ा खतरा माना जा रहा है। जिन स्मारकों में लकड़ी के दरवाजे लगे हैं सीलन से खराब हो सकते हैं।

मणिपुर सहित हर मुद्दे पर चर्चा को सरकार तैयार राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र की गुरुवार को शुरूआत हो रही है। ऐसे में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को सर्वदलीय बैठक हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने कहा कि वह 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र में नियमों के तहत अनुमति प्राप्त और सभापति द्वारा अनुमोदित हर मुद्दे पर चर्चा करने को तैयार है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सत्र के लिए 32 विधायी मुद्दे हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, केंद्र सरकार ने सभी दलों को यह जानकारी दी कि हम मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं।

वहीं, सूत्रों ने बताया कि इससे पहले प्रह्लाद जोशी ने इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा बुलाई गई व्यापार सलाहकार समिति की बैठक में कहा था कि सरकार मणिपुर में हिंसा पर चर्चा करने के लिए तैयार है। बता दें कि मानसून सत्र में विपक्षियों द्वारा उठाए गए हिंसाग्रस्त मणिपुर के मुद्दे को लेकर जोरदार हंगामे की संभावना जताई जा रही है। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा, ढाई महीने से मणिपुर जल रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री ने चुप्पी साधी है। कल से सदन भी शुरू होने वाली है, प्रधानमंत्री से गुजारिश है कि अब सदन में आकर बयान दें और हमें भी चर्चा का मौके दें। हम कल स्थगन प्रस्ताव लाना चाहते हैं,

क्योंकि मणिपुर के हालात दिन पर दिन बदतर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि बालेश्वर हादसे, महंगाई, बेरोजगारी, इंडो-चीन स्थिति और इंडो-चीन ट्रेड में जो असंतुलन हो रहा है, उसपर चर्चा हो। जिस तरह से संघीय ढांचे पर प्रहार हो रहा है उस पर चर्चा होना जरूरी है...सत्तारूढ़ पार्टी अगर सदन चलाना चाहती है तो विपक्ष के मुद्दों पर ध्यान देना जरूरी है।

कठुआ में भारी बारिश बनी आफत, भूस्खलन की चपेट में आए कई घर, 8 लोगों की हुई मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कुछ जिलों में लगातार बारिश हो रही है। कठुआ जिले में बुधवार को भारी बारिश के कारण भूस्खलन हो गया। भूस्खलन के कारण कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। इसके कारण तीन बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। कठुआ के उपायुक्त राकेश मिन्हास ने मृतक के परिजनों को तत्काल 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने का आदेश दिया। मिन्हास ने बताया कि बारिश से जुड़ी घटनाओं में पांच लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि तीन अन्य अभी भी बानी तहसील में ढहे घर के मलबे में फंसे हुए हैं। लोगों की मौत पर संवेदना व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों के लिए 50,000 रुपये और घायलों के लिए 25,000 रुपये की तत्काल राहत मंजूर की गई है। अधिकारी ने कहा कि सुरजन में अपने घर के मलबे में फंसे तीन लोगों का पता लगाने के लिए बचाव अभियान जारी है।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि गांव में दो घर ढह गए, जिसमें पांच लोग फंस गए। जबकि शाहबाज अहमद (14) और नजीर तबस्सुम (10) के शव बचावकर्मियों ने बरामद कर लिए हैं। जबकि, तीन अन्य अभी भी लापता हैं और उन्हें निकालने के लिए अभियान जारी है। सिट्टी गांव में एक 13 वर्षीय बच्चा अपने घर के पास भूस्खलन की चपेट में आ गया। अधिकारी ने बताया कि द्रंगल-मंडोट में अपने घर के पास भूस्खलन की चपेट में आने के बाद 55 वर्षीय महिला का शव भी बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि 50 वर्षीय शाम लाल नामक व्यक्ति की भी डग्गर के पास भुलडी नाले में भूस्खलन के कारण मौत हो गई, जब वह अपने घर को नुकसान से बचाने के लिए पानी के रास्ते को साफ करने की कोशिश कर रहा था। अधिकारी ने कहा कि जहां दो घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, वहीं कई अन्य घरों को आंशिक नुकसान हुआ।

गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस में आतंकी होने की सूचना: मथुरा जंक्शन छावनी में तब्दील; दो संदिग्ध ट्रेन से उतारे गए

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस में आतंकी होने की सूचना पर अफरातफरी मच गई। आरपीएस, एसओजी, रेलवे सहित कई थानों की पुलिस स्टेशन पहुंच गई। स्टेशन परिसर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान यात्रियों के सामान को भी चेक किया गया। जीआरपी पुलिस ने बयाना स्टेशन पर दो संदिग्धों को ट्रेन से उतारा है। उनके पूछताछ की जा रही है। इससे यात्रियों में दहशत का माहौल रहा। बुधवार को मथुरा स्टेशन पर अधिकारियों को सूचना मिली कि गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस में आतंकी है। सूचना पल भर में पुलिस अधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों को दे दी गई। देखते ही देखते स्टेशन परिसर छावनी में तब्दील हो गया। प्लेटफॉर्म पर चेकिंग जारी कर दी गई। स्टेशन पर एसपी सिटी समेत आरपीएफ, जीआरपी, डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दस्ता ने प्लेटफॉर्म नंबर दो और तीन को खंगाला। गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस का मथुरा जंक्शन पर पहुंचने का समय 11:47 है। बुधवार को यह 10 मिनट की देरी से 11:57 पर पहुंची। आतंकी होने की सूचना पर आरपीएफ, जीआरपी और पुलिस बल के

जवान ट्रेन के स्टेशन पहुंचते ही चढ़ गए। पूरी ट्रेन में चेकिंग की गई। इसके बाद करीब सात मिनट रुकने के बाद 12:04 बजे इसे यहां से रवाना किया गया। चलती ट्रेन में भी चेकिंग जारी रही। कुछ दूर जाकर बयाना स्टेशन पर जीआरपी पुलिस ने दो संदिग्धों को ट्रेन से उतारा है। दोनों से पूछताछ की जा रही है।

पबजी वाला प्यारः अब बात करने से भी कतरा रहा सीमा के इश्क में खुद को 'गुलाम' बताने वाला हैदर, बार-बार काटी कॉल

ग्रेटर नोएडा। पबजी पार्टनर के प्यार की खातिर पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते रबूपुरा आने का दावा करने वाली सीमा हैदर से एटीएस ने दूसरे दिन भी गहन पूछताछ की। इस दौरान कई ऐसे तथ्य सामने आए, जिससे जासूसी का शक बढ़ा है। सीमा से एटीएस ने पाकिस्तान से आठ मई को 70 हजार रुपये में खरीदे गए मोबाइल का बिल बरामद किया। खास बात यह है कि सीमा ने दस मई को पाकिस्तान छोड़ा था और सीमा से बरामद हुए चारों बच्चों समेत पांच पासपोर्ट भी आठ मई को ही जारी किए गए थे। इसके अलावा फोरेंसिक टीम ने पाकिस्तान व नेपाल से जुड़े दो वीडियो भी एटीएस को दिए हैं। सीमा से एटीएस के अधिकारियों ने अधिकांश सवाल पाकिस्तान कनेक्शन को लेकर किए, लेकिन वह अधिकांश सवालों के जवाबों को सचिन के प्यार से जोड़कर देने का प्रयास करती रही। मगर कुछ सवालों के जवाब में सीमा उलझ गई और इससे एटीएस का संदेह उस पर गहराने लगा है। सीमा हैदर और सचिन के पिता को सोमवार रात लगभग साढ़े 11 बजे एटीएस टीम रबूपुरा स्थित सचिन के घर छोड़ गई थी। सीमा उसके तीन बड़े बच्चे और सचिन के पिता नेत्रपाल को मंगलवार सुबह पौने नौ बजे एक बार फिर एटीएस नोएडा सेक्टर-58 दफ्तर लेकर गई और दिन भर पूछताछ की। सूत्रों का कहना है कि एटीएस ने सीमा से पूछा कि तुम्हारा भाई पाकिस्तान आर्मी

में है। चाचा आर्मी में सूबेदार बताए गए हैं। सीमा अब तक दावा करती रही है कि उसके चाचा उसका गांव में आना पसंद नहीं करते थे। इसलिए वह गांव नहीं जाती थी। लेकिन ने आठ मई को जो मोबाइल खरीदा था। उसे चाचा के दिलाने की आशंका है लेकिन उर्दू के बिल में किसी का नाम नहीं लिखा। वहीं, सीमा ने इस मोबाइल का इस्तेमाल केवल दो या तीन दिन किया और यह पुलिस ने टूटा हुआ बरामद हुआ है। इतना ही नहीं, पाकिस्तान का सिम भी नेपाल में ही फेंक दिया गया। ये मोबाइल नया था तो इससे पहले वह कौन सा मोबाइल व सिम इस्तेमाल करती थी। सीमा ने नेपाल आकर सचिन से बात करने के लिए नेपाल से खरीदे गए सिम का इस्तेमाल किया। सीमा कुछ सवालों का घुमा फिराकर जवाब देने लगी। आशंका यह भी है कि सीमा को मोबाइल उसके चाचा ने खरीदकर दिया है। हालांकि पूछताछ के संबंध में एटीएस या किसी अधिकारी ने अधिकारिक रूप से जानकारी नहीं दी है। उधर, यूपी एटीएस को पाकिस्तानी सेना की वर्दी में सीमा हैदर का एक फोटो और सोशल मीडिया पर उसके भारतीय सैनिकों व एनसीआर के कई युवकों से जुड़ने की जानकारी मिली है। जिससे सीमा हैदर पर शक बढ़ रहा है। इस फोटो को लेकर एटीएस ने सीमा से सवाल पूछा है कि क्या वह पाकिस्तान आर्मी से जुड़ी है। हालांकि यह फोटो सोशल मीडिया पर वायरल है या फिर उसके नष्ट किए गए मोबाइल से जुटाया गया है, इसकी अभी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कर्नाटक में 5 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, बेंगलुरु को दहलाने की थी साजिश; गोला-बारूद सहित सैटेलाइट फोन बरामद

बेंगलुरु। केंद्रीय अपराध शाखा ने कर्नाटक में पांच संदिग्ध आर्तकियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आतंकियों की पहचान सैयद सुहेल, उमर, जनिद, मुदासिर और जाहिद के रूप में की गई है। इसके साथ ही सीसीबी ने भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भी जब्त की है। आशंका जताई जा रही है कि इन सभी आतंकियों ने बेंगलुरु में धमाका करने की योजना बनाई थी।

सीसीबी ने बताया कि ये पांचों 2017 के एक हत्या मामले में आरोपी हैं और परप्पाना अग्रहारा सेंट्रल जेल में रहने के समय आर्तकियों के संपर्क में आए। सेंट्रल क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तार किए गए पांचों संदिग्ध आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार सहित अन्य समान बरामद हुआ है। सीसीबी ने बताया कि गिरफ्तार संदिग्धों के पासे से चार वॉकी-टॉकी, सात देशी पिस्तौल, 42 जिंदा गोलियां, दो खंजर, दो सैटेलाइट फोन और चार ग्रेनेड बरामद किए गए हैं। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा कि 2008 बेंगलुरु सीरियल ब्लास्ट का आरोपी टी नजीर, आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा है। गिरफ्तार किए गए पांच संदिग्ध आतंकी को 2008 के सीरियल ब्लास्ट के आरोपी टी नजीर ने कट्टरपंथी बनाया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पांचों संदिग्ध पिछले दिनों एक हत्या के मामले में गिरफ्तार किए गए 21 लोगों में शामिल थे। उन्होंने कहा कि इसका सरगना फिलहाल फरार है और सेल फोन के जरिए संदिग्धों के संपर्क में था। सूत्रों ने बताया कि उन्हें एक बड़ी साजिश की योजना बनाते समय सुल्तानपाल्या इलाके के कनकनगर में एक पूजा स्थल के पास पकड़ा गया। केंद्रीय अपराध शाखा ने एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया।

संपादकीय

एक चेहरे पर कई चेहरे लगा लेते हैं लोग, 38 बनाम 26 दलों का गठबंधन

गठबंधन को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में जबरदस्त जुबानी युद्ध शुरू हो गया है 18 जुलाई बड़ी महत्वपूर्ण तारीख है। विपक्ष के 26 दल कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में बैठक कर रहे हैं। विपक्षी दलों की एकता को लेकर यह गठबंधन 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बड़ा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं सत्तापक्ष भी नई दिल्ली में 38 राजनीतिक दलों के गठबंधन के साथ लोकसभा के चुनाव की तैयारियों में एकजुट हो रहा है। सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों द्वारा जो राजनीतिक दलों का गठबंधन तैयार किया जा रहा है। उसको लेकर एक दूसरे के ऊपर बड़े आरोप-प्रत्यारोप किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि दो चीजों की गारंटी विपक्षी दलों की है। जातिवाद का जहर, भ्रष्टाचार, भारत की बदहाली के लिए जो राजनैतिक दल जिम्मेदार हैं, वह सब एकत्रित हो रहे हैं। 26 दलों की दुकानों का माल अलग है, लेबिल अलग है, बेच कुछ रहे हैं, बता कुछ रहे हैं। भ्रष्टाचार के आरोप में जब एजेंसियां कार्रवाई करती हैं, तो विपक्षी दल उसे साजिश बताते हैं। भ्रष्टाचार की दुकान चलाने वाले लोकतंत्र और संविधान को बंधक बनाकर रखना चाहते हैं। 26 चेहरे लगाकर बैठे हुए यह नेता कहते कुछ हैं और करते कुछ और हैं। इनके गठबंधन में असीमित भ्रष्टाचार की गारंटी है। भाई-भतीजावाद और वंशवाद की गारंटी है। उन्होंने कहा कट्टरपंथी और भ्रष्टाचारी नेता मिलकर बेंगलुरु में बैठक कर रहे हैं। विपक्षी एकता की बात कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ना खाता ना बही, विपक्षी जो कहे वह सही की तर्ज पर सत्ता पक्ष में हमला कर रहे हैं। 26 दलों के विपक्षी गठबंधन को भानुमती का पिटारा भी सत्ता पक्ष द्वारा कहा जा रहा है। वहीं विपक्षी गठबंधन में शामिल राजनीतिक दल सरकार के ऊपर करारा हमला कर रहे हैं। वह संविधान और लोकतंत्र को खतरे में बता रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एकाधिकार और तानाशाही के विरोध में एकजुट हो रहे हैं। विपक्षी दल इसे अघोषित आपातकाल के रूप में विपक्षियों को खत्म करने की साजिश बताकर एकजुट हो रहे हैं। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्षी दल भाजपा को वाशिंग मशीन बताते हुए कह रहे हैं, पहले खुद आरोप लगाते हैं। सीबीआई, ईडी से दबाव बनाते हैं। जब आरोपी भाजपा में शामिल हो जाता है, तो उस पर लगाए गए सारे आरोप खत्म हो जाते हैं। विपक्षी दल संवैधानिक संस्थाओं को धीरे-धीरे खत्म करने का आरोप सत्ता पक्ष पर लगा रहे हैं। 26 दलों को भानमती का पिटारा कहा जा रहा है। लेकिन सत्तापक्ष ने भी 38 राजनीतिक दलों का गठबंधन तैयार कर लिया है। विपक्षी गठबंधन को चुनौती देने का रास्ता सत्ता पक्ष ने अख्तियार किया है। निश्चित रूप से 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए सत्ता पक्ष विपक्षी एकता के गठबंधन से हैरान और परेशान है। सत्ता पक्ष इसे बड़ी चुनौती के रूप में देख रहा है। जैसे ही विपक्षी एकता गठबंधन परवान चढ़ा, उसकी प्रतिक्रिया सत्ता पक्ष में बड़े पैमाने पर देखने को मिल रही है। इतना तो तय है कि कहीं ना कहीं विपक्षी एकता से सत्ता पक्ष के ऊपर दबाव बना है। दोनों ही गठबंधन एक दूसरे के ऊपर आरोप लगा रहे हैं। जनता चुपचाप दोनों का तमाशा देख रही है। सत्ता पक्ष से लड़ने के लिए हमेशा से विपक्षी राजनीतिक दल गठबंधन बनाकर सत्ता पक्ष का मुकाबला करते रहे हैं। 1967, 1977, 1989, 1991, 1996, 2004 से 2014 तक गठबंधन की सरकारें राज्य और केंद्र की सत्ता में रही हैं। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि विपक्षी एकता का नेतृत्व एवं सहभागिता हमेशा से जनसंघ या भाजपा के नेता कांग्रेस के खिलाफ करते रहे हैं। 2014 से केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार दसवें साल में प्रवेश कर चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को इन 10 वर्षों का सत्ता में रहने का हिसाब-किताब जनता को देना है। 2014 के बाद से ही विपक्ष लगातार बंटा हुआ था। इसका फायदा भाजपा और सत्तापक्ष को मिला। पहली बार मोदी सरकार को विपक्षी दलों के एकजुट होने से कड़ी चुनौती मिल रही है।

बात ये टमाटर की

धीरे धीरे लगता है ।
गिर रहा अब भाव ।।
बात ये टमाटर की ।
कम होगा घाव ?
गायब था बाजार से ।
लगा टहलने आज ।।
मिले जल्द राहत तो ।
बच जाए कुछ लाज ।।
देखते अब आगे ।
क्या यह गुल खिलाता ?
मामला मशहूर हुआ ।
भाव बड़ा ये खाता ।।
ना आए अब अड़चन ।
हो ऐसा प्रयास ।।
लेकिन मानसून की ।
भूमिका भी खास ।।

–कृष्णेन्द्र राय

वैश्विक बाजारी शक्तियां सनातन भारतीय संस्कृति को प्रभावित करने का प्रयास कर रही हैं

प्रहलाद सबनानी

सनातन भारतीय संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है। परंतु, पश्चिमी आर्थिक दर्शन में संयुक्त परिवार लगभग नहीं के बराबर ही दिखाई देते हैं एवं विकसित देशों में सामान्यतः बच्चों के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही, वे अपना अलग परिवार बसा लेते हैं तथा अपने माता पिता से अलग मकान लेकर रहने लगते हैं। इस चलन के पीछे संभवत आर्थिक पक्ष इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि जितने अधिक परिवार होंगे उतने ही अधिक मकानों की आवश्यकता होगी, कारों की आवश्यकता होगी, टीवी की आवश्यकता होगी, फ्रिज की आवश्यकता होगी, आदि।

लगभग समस्त उत्पादों की आवश्यकता इससे बढ़ेगी जो अंततः मांग में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी एवं इससे इन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। ज्यादा वस्तुएं बिकने से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी। कुल मिलाकर इससे आर्थिक वृद्धि दर तेज होगी। विकसित देशों में इस प्रकार की मान्यताएं समाज में अब सामान्य हो चलीं हैं। अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में भी प्रयासरत हैं कि किस प्रकार भारत में संयुक्त परिवार की प्रणाली को तोड़ा जाय ताकि परिवारों की संख्या बढ़े एवं विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़े और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बाजार में बढ़े। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियां इस प्रकार के विभिन्न सामाजिक सीरियलों को बनवाकर प्रायोजित करते हुए टीवी पर प्रसारित करवाती हैं जिनमे संयुक्त परिवार के नुक्सान बताए जाते हैं एवं छोटे छोटे परिवारों के फायदे दिखाए जाते हैं। सास बहू के बीच छोटी छोटी बातों को लेकर झगड़े दिखाए जाते हैं एवं जिनका अंत परिवार की टूट के रूप में बताया जाता है। भारत एक विशाल देश है एवं विश्व में सबसे बड़ा बाजार है, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां यदि अपने इस कुचक्र में सफल हो जाती हैं तो उनकी सोच के अनुसार भारत में उत्पादों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है, इससे विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को सीधे सीधे फायदा होगा। इसी कारण के चलते आज जोरज सोरोस जैसे कई विदेशी नागरिक अन्य कई विदेशी संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ मिलकर भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं।

आज यदि भारत विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन जाता है, जिसके लिए लगातार प्रयास भारत में किए जा रहे हैं, तो इसका सबसे अधिक बुरा असर इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों पर होने वाला है। क्योंकि, इससे इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की मांग भारत में कम हो जाएगी और आज केवल भारत ही पूरे विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। यदि भारत में इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के उत्पादों की मांग कम हो जाती है तो ये कम्पनियां अपने उत्पादों को बेचेंगी कहां एवं कैसे अपनी लाभप्रदता में वृद्धि दर्ज करेंगी। इसलिए इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भारत की महान संस्कृति पर अपने हमलों के तेज कर दिया है। विकसित देशों में आज सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो गया है। शादी शुदा जोड़ों के बीच तलाक की दर लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिससे छोटे छोटे बच्चे केवल अपने माता अथवा पिता के साथ रहने को मजबूर है। यदि माता अथवा पिता में से कोई एक पुनः विवाह कर लेता है तो उस बच्चे को सौतेले पिता अथवा सौतेली माता के साथ रहना होता है, जहां उसकी पर्याप्त देखभाल नहीं हो पाती है तथा उस बच्चे का मानसिक विकास ठीक तरीके से नहीं हो पाता है। ये बच्चे अक्सर मानसिक तनाव के दौर से गुजरते हैं और इसका पूरा असर इन बच्चों की पढ़ाई पर भी पढ़ता है। आज अमेरिका में अमेरिकी मूल के नागरिकों के बच्चे विज्ञान एवं गणित जैसे विषयों में बहुत कम रुचि ले रहे हैं, इससे वहां के मूल नागरिकों के बच्चे न तो डॉक्टर बन पा रहे हैं और न ही इंजिनीयर। डॉक्टर एवं इंजिनीयर के साथ साथ प्रबंधन के क्षेत्र में भी एशियाई मूल के नागरिकों के बच्चे आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी प्रकार, विकसित देशों में विवाह पूर्व बच्चों का गर्भ धारण करना भी आम रिवाज होता जा रहा है तथा बगैर विवाह किये लिव इन रेलेशनशिप में साथ रहना भी आम बात हो गई है।

लिव इन रिलेशनशिप के दौरान पैदा हुए बच्चों को न केवल कई प्रकार की कानूनी समस्याओं का सामना करना होता है बल्कि इन बच्चों की देखभाल भी ठीक तरीके से नहीं हो पाती है। विकसित देशों में बच्चों का सही लालन पालन नहीं होने के चलते इन बच्चों में हिंसा की प्रवृति पैदा हो रही है। इसी कारण से आज अमेरिका में प्रति नागरिक जेलों की संख्या अन्य देशों की तुलना में बहुत अधिक है, स्वाभाविक रूप से प्रति नागरिक कैदियों की संख्या भी तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक है। सामाजिक तानाबाना के छिन्न भिन्न होने के चलते आज अमेरिका में सबसे अधिक खर्च सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर करना पड़ रहा है। वृद्ध नागरिक, चूंकि अपने बच्चों से अलग रहते हैं एवं वृद्धावस्था में उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है अतः इनकी देखभाल पर सरकार को भारी भरकम राशि खर्च करनी होती है। इसी प्रकार जेलों के रख रखाव एवं इनमें निवास कर रहे कैदियों पर भी भारी भरकम राशि खर्च करनी होती है। इस प्रकार के खर्च उत्पादकता के श्रेणी में नहीं होने के चलते व्यर्थ खर्च ही माने जाते हैं। इससे कुल मिलाकर विशेष रूप से अमेरिका आज गम्भीर वित्तीय संकट के दौर से गुजर रहा है। अमेरिका के इस अवस्था में पहुंचने के पीछे विशेष रूप से वहां का सामाजिक तानाबाना का छिन्न भिन्न होना ही माना जा रहा है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति में कुटुंब व्यवस्था को ईश्वर प्रदत्त उपहार माना गया है। संयुक्त परिवार में बच्चों के रहने के चलते उनकी बचपन में देखभाल ठीक तरह से होती है एवं भारत के बच्चों के हिंसा की प्रवृत्ति लगभग नहीं के बराबर पाई जाती है। इन बच्चों का मानसिक विकास भी उच्च स्तर का हो जाता है। बुजुर्गों की देखभाल भी संयुक्त परिवार में बहुत अच्छी तरह से हो जाती है एवं सरकारों को किसी विशेष प्रकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर खर्च करने की आवश्यकता ही नहीं होती है। परंतु, पश्चिमी देशों द्वारा सनातन भारतीय संस्कृति पर प्रहार किए जा रहे हैं। इस प्रकार के प्रयासों से भारतीय नागरिकों को आज जागरूक करने की आवश्यकता है। पश्चिमी संस्कृति तो अपने आप में असफल सिद्ध होती दिखाई दे रही है। अब केवल सनातन भारतीय संस्कृति ही विकसित देशों में फैल रही अशांति को दूर करने में सक्षम दिखाई दे रही है। इस प्रकार, सनातन भारतीय संस्कृति को अपनाकर पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है।

राजस्थान में बदलेगा सत्ता बदलने का रिवाज

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा के चुनाव इसी साल के अंत में होने हैं। चुनावों में अब कुछ महीनों का ही समय रह गया है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने अपनी-अपनी पार्टी की चुनावी तैयारियां प्रारंभ कर दी है। प्रदेश में सत्तारूढ़ होने के कारण कांग्रेस पार्टी को सत्ता विरोधी माहौल का भी सामना करना पड़ रहा है। राजस्थान में पिछले तीस वर्षों से परंपरा चली आ रही है कि एक बार कांग्रेस और दूसरी बार भाजपा की सरकार बनती है। ऐसे में मुख्य विपक्षी दल भाजपा को आशा है कि राज बदलने की परंपरा को कायम रखते हुए प्रदेश में उनकी सरकार बने। मगर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस रिवाज को बदलने का पूरा प्रयास कर रहे हैं।

गहलोत चाहते हैं कि प्रदेश में फिर से कांग्रेस की सरकार बनाकर हर बार सरकार बदलने के रिवाज को समाप्त किया जाए। इसके लिए गहलोत लगातार लोगों से संपर्क साध रहे हैं। अशोक गहलोत के दोनों पैरों के अंगूठे में चोट लगने के कारण वह पिछले कई दिनों से अपने आवास से ही वर्चुअल माध्यम से लोगों से संपर्क कर विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण कर रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में सचिन पायलट कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष थे तथा रामेश्वर डूडी नेता प्रतिपक्ष थे। उस समय कांग्रेस के पास मात्र 21 विधानसभा सीटें ही थी। तब वसुंधरा राजे भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री थी। भाजपा के पास 163 विधानसभा सीटें थी। लेकिन राज बदलने का रिवाज व वसुंधरा राजे के खिलाफ आम जनता में पनपी सत्ता विरोधी लहर के चलते कांग्रेस 100 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। जबकि भाजपा मात्र 73 सीटों पर ही सिमट गई थी। तब कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री व सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री बनवाया था। मुख्यमंत्री बनने के बाद अशोक गहलोत ने बसपा के सभी 6 विधायकों का कांग्रेस में विलय करवा कर विधानसभा में कांग्रेस की स्थिति मजबूत बना दी थी। वर्तमान में गहलोत सरकार को माकपा के दो, भारतीय ट्राइबल पार्टी के दो, राष्ट्रीय लोक दल का एक व 13 निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है। वहीं भाजपा विधायको की संख्या 73 से घटकर 70 पर आ गई है। हालांकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी 2020 में अपने ही उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट की बगावत का सामना करना पड़ा था। सरकार बचाने के लिए गहलोत ने महीनों तक विधायकों को बाड़ेबंदी में रखा था। कांग्रेस आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद सचिन पायलट ने अपना विद्रोह समाप्त कर कांग्रेस की मुख्यधारा में शामिल हो गए थे। हाल ही में कांग्रेस आलाकमान ने दिल्ली में एक बड़ी बैठक कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट को आगामी विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर लड़ने का मंत्र दिया है। आलाकमान से हुई बैठक के बाद दोनों ही नेता एकजुटता से चुनाव लड़ने की बात कह रहे हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पिछले एक साल से प्रदेश में फिर से कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए सक्रिय होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने पिछले बजट में प्रदेश के लोगों के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की थी। जिनका क्रियान्वयन भी प्रारंभ हो गया है। पिछले तीन महीने तक राज्य सरकार ने गांव-गांव में महंगाई राहत कैंप लगाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करवाया है। उन कैंपों के माध्यम से सरकार ने अपनी जन कल्याणकारी योजनाओं से भी आम आदमी को अवगत करवाया है। महंगाई राहत कैंपों के आयोजन से सरकार की छवि में काफी सुधार हुआ है। राज्य सरकार ने 60 साल से अधिक उम्र के वृद्धजन, विधवा महिलाओं, विकलांगों को मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि को भी बढ़ाकर न्यूनतम एक हजार प्रतिमाह कर दिया है। इसके साथ ही अनाथ बालिकाओं को पढ़ाई के लिये प्रतिमाह मिलने वाली राशि भी बढ़ाकर दोगुनी से अधिक कर दी गई है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर में करीबन 76 लाख उज्जवला गैस कनेक्शन धारकों को 500 रूपैये में गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाया जा रहा है। जो देश में अन्यत्र कहीं नहीं मिल रहा है। प्रदेश में घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 100 यूनिट बिजली प्रतिमाह तथा कृषि उपभोक्ताओं को दो हजार यूनिट बिजली प्रतिमाह निशुल्क उपलब्ध करवायी जा रही है। राजस्थान की सीमा में यात्रा करने वाली महिलाओं को सभी श्रेणी की रोडवेज बसों में 50 प्रतिशत किराए में छूट दी जा रही है। स्कूलों व कॉलेजों में पढ़ने वाली छात्राओं, विधवा व एकल रहने वाली महिलाओं को शीघ्र ही सरकार की तरफ से मोबाइल हैंडसेट प्रदान किए जाएंगे। जिनमें तीन साल तक इंटरनेट का डाटा भी फ्री मिलेगा।

इसके अलावा सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना के दायरे में फिर से शामिल किए जाने से आम लोगों के साथ ही कर्मचारी वर्ग में भी गहलोत सरकार के प्रति सकारात्मक माहौल नजर आ रहा है। 2004 से देशभर में पुरानी पेंशन योजना को बंद कर दिया गया था। उसके बाद से ही कर्मचारी वर्ग पुरानी पेंशन बहाली की मांग करते आ रहे थे। मगर किसी भी सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया था। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत देश भर में पहले नेता है जिन्होंने राजस्थान सरकार के कर्मचारियों को फिर से पुरानी पेंशन देने की शुरूआत की है। संगठन की दृष्टि से भी राजस्थान में कांग्रेस कमेटी का नए सिरे से गठन कर दिया गया है। सभी जिला, नगर, ब्लाक व मंडल अध्यक्षों की नियुक्तियां हो चुकी है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी व सह प्रभारी लगातार जिलों का दौरा कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित कर रहे हैं। हाल ही में जयपुर में कांग्रेस के सभी जिला अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों व प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की बैठक हो चुकी है। जिसमें सभी पदाधिकारियों को पूरी सक्रियता से क्षेत्र में काम करने के लिए कहा गया है।

हालांकि पिछले वर्ष सितंबर में कांग्रेस आलाकमान द्वारा कांग्रेस विधायक दल की बैठक का आयोजन करवाने के लिए भेजे गए पर्यवेक्षकों प्रदेश प्रभारी महासचिव अजय माकन व मल्लिकार्जुन खरगे की उपस्थिति में विधायक दल की मीटिंग का बहिष्कार करवाने वाले कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी व पर्यटन निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ पर पार्टी आलाकमान ने कोई कार्यवाही नहीं की है। उल्टे शांति धारीवाल के पुत्र अमित धारीवाल को संगठन में प्रदेश महासचिव बना दिया गया है। इससे पार्टी कार्यकताओं में गलत संदेश जा रहा है। पार्टी से जुड़े लोगों का मानना है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दबाव में पार्टी आलाकमान पार्टी से बगावत करने वाले लोगों के खिलाफ कार्यवाही करने से कतरा रहा है।

क्या खूब होता सबसे पहले दिल्ली स्मार्ट होती

ऋतुपर्ण दवे

देशवासियों ने एक सपना देखा था, बल्कि कहें कि दिखाया गया था। एक स्मार्ट सिटी होगी उसमें सब कुछ स्मार्ट होगा। बहुत बड़ी कार्य योजना प्रस्तुत की गई। वो खाका खींचा गया कि लगने लगा वाकई हम दुनिया में वो मिशाल पेश करेंगे जो सबके लिए नजीर बनेगी। 25 जून 2015 को केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय की स्मार्ट सिटीज मिशन की पहल की शुरूआत प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी।यह 100 शहरों के बुनियादी ढांचों में सुधार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देनी की मुहिम थी।

स्मार्ट शहरों पर सूचना एवं डिजिटल टेक्नालॉजी की सार्वजनिक व निजी भागीदारी के जरिए शहरों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से टिकाऊ और समावेशी विकास पर फोकस किया गया। मिशन को ऐसा उदाहरण बनाने का लक्ष्य भी रखा गया कि ऐसी सिटी के अन्दर और बाहर की व्यवस्थाओं काअनुसरण हो ताकि नागरिकों की सबसे अहम जरूरतों एवं जीवन में सुधार करने के लिए बड़े से बड़े अवसरों को सृजित किया जा सके। मिशन के लिए 7,20, 0000 करोड़ रुपये की फंडिंग भी की गई। इसमें कृत्रिम बुद्धि के तहतआईसीटी का परिचय,आईटी कनेक्टिविटी, डिजिटलीकरण तो ई-गवर्नेंस के तहत ई-पंचायत, ई-चौपाल इसी तरह बुनियादी ढांचे के तहत अच्छे और साफ पानी की आपूर्ति, सभी के लिए बिजली, उचित स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, शहरी गतिशीलता, पर्याप्त सार्वजनिक परिवहन, आवास जैसी किफायती जीवन स्थितियां और सतत पर्यावरण जैसे जरूरी विषयों को शामिल किया गया।

सरसरी तौर पर योजना को देखने के बाद थोड़ी गुदगुदी तो होती है कि बस थोड़ा से इंतजार के बाद मेरा शहर भी सपनों का सुन्दर शहर होगा। लेकिन योजना को लागू हुए 9 बरस हो चुके हैं। सपने और हकीकत का अन्तर भी साफ झलकने लगा है। हाल की बारिश ने जिस तरह से बड़े से बड़े शहरों की पोल खोलकर रख दी है उससे तो यही लगता है कि इन्फ्रा स्ट्रक्चर के मामले में हमारी बुनियाद ही बहुत कमजोर है। केवल दिल्ली को ही एक आदर्श के रूप में रखें तो भी डर लगता है। राष्ट्रीय राजधानी का जो मंजर बीते सप्ताह बल्कि पखवाड़े में दिखा तो उसने हर किसी को डरा कर रख दिया। 41 वर्षों में महज 24 घण्टों में ही 200 मिलीमीटर बारिश का नया रिकॉर्ड तो बना लेकिन अव्यवस्थाओं की इतनी सारी पोल खुली जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। राष्ट्रीय राजधानी के मुख्य स्थानों इण्डिया गेट के आसपास की सड़कोंके मंजर से रूह कांप गई। जगह-जगह जलभारव की वो स्थिति बनी कि न जाने कितने लोग इससे जूझे और कितने घायल हुए इसका सही आंकड़ा तक नहीं है।बड़ी-बड़ी घटनाओं की तस्वीरों ने ही इतना कुछ दिखा दिया कि छोटी-मोटी पर भला कौन ध्यान देगा। कमोवेश यही स्थिति दिल्ली से सटे दूसरे महानगरों गाजियाबाद, नोएडा, गुड़गांव, फरीदाबाद की भी रही। दूसरे छोटे-मोटे शहरों खासकर पहाड़ी इलाकों के हालात तो बेकाबू और बेहद दर्दनाक दिखे। यदि दिल्ली की बात करें तो मानसून से पहले करोड़ों रुपये खर्च कर नालों की सफाई पर 10 करोड़ रुपए खर्च हुए। जलभराव से बचाने के खासे इंतजाम के दावे हुए जो 9-10 जुलाई की ही बारिश में धराशायी हो गए। हालात बद से बदतर हो गए। जब पूरे देश में स्मार्ट सिटी को लेकर दावों-प्रतिदावों का दौर चल रहा हो ऐसे में यदि देश की राजधानी में ही संसाधनों की जबरदस्त कमीं दिखे और जिम्मेदार राजनीतिक बयान दें तो फिर दूसरों को उदाहरण बनाना बेमानी सा लगता है। विचारणनीय यह भी है कि अकेले दिल्ली नगर निगम में 20159 नाले रिकॉर्ड में हैं। इनमें 721 ऐसे नाले भी हैं जिनकी गहराई 4 फीट तक है। बड़े नालों की सफाई ठेके पर होती है जबकि बांकी की खुद निगम करवाता है। हालिया सफाई में सात हजार मीट्रिक टन भी गाद हटाई गई उसके बावजूद पहली ही बारिश में नालों के उफान और दिख रही गाद आसानी से देखी जा सकती है। दिल्ली की अव्यवस्था को लेकर सरकार में बैठे नुमाइंदे और नौकरशाह जो भी दावें करें वो अलग है लेकिन हकीकत भरी दिल्ली में रहने वाले या आने-जाने वाले पूरे साल देखते हैं। हाल ही में भारी बारिश के बाद दिल्ली का दिल इंडिया गेट के पास धंसी सड़क और थमते यातायात को भी देखा। पुरानी दिल्ली-गुरुग्राम रोड पर महज एक बस के खराब हो जाने से समलखा से कापसहेड़ा मे हुए ट्रैफिक जाम और दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की इस रास्ते से नहीं जाने की हिदायत उदाहरण हैं। सवाल यह है कि ऐसा कब तक चलेगा? चिन्ता इसलिए भी है कि जहां वर्ष 2011 की जनगणना में दिल्ली की आबादी 1916, 787,941 थी जो अब अनुमानतः 19,301,096 पार कर चुकी होगी ऐसे में मौजूदा व्यवस्थाएं और संसाधन कितने पर्याप्त हैं? निश्चित रूप से दिल्ली के मास्टर प्लान को लेकर भी लोगों के दिमाग में सवालों की बौछारें होंगी, लेकिन जवाब कौन देगा?

देश की राजधानी दिल्ली का नाम लेते ही मस्तिष्क में एक स्मार्ट तस्वीर बनती है लेकिन जिस वास्तविकता से लोग रू-ब-रू होते हैं तो अलग ही सच्चाई मुंह कड़वा कर देती है। ऐसे में स्मार्ट सिटी योजना को लेकर देखा गया सपना कितना साकार होता है इस पर लोगों के मन में तरह-तरह के विचार स्वाभाविक हैं। 100 स्मार्ट शहरों की सूची देखें जिनमें पोर्टब्लेयर, विशाखापत्तनम, तिरुपति, काकीनाडा, अमरावती, पासीघाट, गुवाहाटी, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, बिहारशरीफ, पटना, चंडीगढ़, रायपुर, बिलासपुर, नया रायपुर, दीव दादरा और नगर हवेली, सिल्वासा, नई दिल्ली नगर परिषद,पणजी, गांधीनगर, अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा,राजकोट, दाहोद, करनाल, फरीदाबाद, धर्मशाला, शिमला, श्रीनगर, जम्मू, रांची, मंगलुरु, बेलगावी, शिवमोगा, हुबली धारवाड़, तुमकुरु, दावणगेरे, बेंगलुरु, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, कवरत्ती, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, सतना, उज्जैन,नासिक, थाइन, ग्रेटर मुंबई, अमरावती, सोलापुर, नागपुर, कल्याण-डोम्बीवली, औरंगाबाद, पुणे, पिंपरी चिंचवाड़, इंफाल, शिलांग, आइजोल, कोहिमा, भुवनेश्वर, राउरकेला, औल्गरेट, लुधियाना, जालंधर,अमृतसर, जयपुर, उदयपुर,कोटा, अजमेर, नामचि, गंगटोक, तिरुचिरापल्ली, तिरुनेलवेली, डिंडीगुल, तंजावुरी, तिरुपूर, सलेम, वेल्लोर, कोयंबटूर, मदुरै, खत्म, तूतुकुड़ी, चेन्नई, ग्रेटर हैदराबाद, ग्रेटर वारंगल, करीमनगर, अगरतला,मुरादाबाद, अलीगढ़, सहारनपुर, बरेली, झांसी, कानपुर, प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गाज़ियाबाद, आगरा, रामपुर, देहरादून शामिल हैं। निश्चित रूप से कइयों ने आधे से ज्यादा शहर बल्कि कहें कि भावी स्मार्ट शहर को हाल-फिलाहाल में जरूर देखा होगा ये कितने स्मार्ट हुए इसका आंकलन उन्हीं पर ही छोड़ना बेहतर होगा।

खास मिशन के तहत बनाए जा रहे ऐसे स्मार्ट शहर देश के दूसरे शहरों को किस तरह स्मार्ट बना पाएंगे यह सवाल बेहद गंभीर है। लगता नहीं कि विकास की गंगा बहाने के नाम पर सरकार के द्वारा खोली गई तिजोरी का जैसा सदुपयोग हो रहा है उससे शहरों के कायाकल्प की योजना कैसे फलीभूत हो पाएगी? उससे भी ज्यादा कुछ दिन पहले आई संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनीसेफ और विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट वो कहानी कह रही है जिस पर देश में जल्द ही नई बहस शुरू होना तय है साल 2022 में ग्रामीण भारत में 17 प्रतिशत यानी करोड़ों लोग अभी भी खुले में शौच करते थे। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात रिपोर्ट में है जो कहती है कि ग्रामीण भारत में अब भी 25 प्रतिशत परिवारों के पास अपना अलग शौचालय नहीं है जो कि ओडीएफ घोषित किए जाने के लक्ष्यों में शामिल था। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस पर काम तो बहुत हुआ लेकिन अंतर्राष्ट्रीय नतीजों से साफ लगता है कि काम से ज्यादा भ्रष्टाचार का खेल हुआ।

एक नजर इधर भी, सिद्ध पीठ हथियाराम पहुंचे संघ प्रमुख मोहन भागवत

जखनियां। गाजीपुर। (गौरीशंकर पाण्डेय सरस) 19 तारीख वर्ष 2023 का जुलाई माह, जुलाई माह का दिन बुधवार तथा बुद्धवार के दिन दिनमणि भगवान भुवन भास्कर के प्रकाश में मनमोहक लग रहा विश्व विख्यात सिद्ध पीठों में सुमार हथियाराम मठ का हर कण-कण ,और उसकी आध्यात्मिक दर्शन यात्रा में अद्भुत अकल्पनीय और अविस्मरणीय बनकर लोगों के दिलों दिमाग पर अमिट छाप छोड़ने वाला दर्शनार्थियों का जन शैलाब, प्रशासनिक आला-अधिकारियों की गाड़ियों के बजते हूटर तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम में मुस्तैद पुलिस बल के जवानों के बूटों की खनक सहज ही किसी राष्ट्र नायक एवं सजग प्रहरी के आगमन का अहसास कराने को पर्याप्त थे।

आध्यात्मिक संतो की तपोभूमि सिद्ध पीठ का दृश्य अपने आपमें अद्वितीय लग रहा था। आकर्षक ढंग से सजी-संवरी आठ सौ साल पुरानी सिद्ध पीठ मानो सचमुच राष्ट्र सचेतक के आगत के स्वागत में पलक पांवड़े बिछाए खड़ी थी। कहीं स्फुट स्वर से गूंजते वैदिक मंत्र के स्वर तथा मंत्रोच्चार के बीच अर्पित होती पूजन सामग्री सबके सब पवित्र चातुर्मास के व्रत और उपवास में चार चांद लगा रहे थे। भक्तों श्रद्धालुओं शुभचिंतकों की भारी भीड़ सिद्ध पीठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर परम पूज्य स्वामी भवानी नंदन यति महाराज श्री के व्रत उपवास पूजन अनुष्ठान में प्रतिभाग करके चतुर्दिक वातावरण को खुशनुमा बना रहे थे। प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकारजन अपने शब्दों और कैमरों में सामयिक दृश्यों का संकलन करने में इतना तल्लीन नजर आरहे थे मानो कोई समाचार का कोई हिस्सा छूट न जाए।

मौका था भारतीय जनता पार्टी की मातृसंस्था आर एस एस के शीर्षस्थ पदाधिकारी सरसंघचालक मोहनराव भागवत के आगमन का। जिनका चौबीस घंटे के प्रवास का कार्यक्रम पहले से ही तय था। अपने तय कार्यक्रम के तहत चातुर्मास अनुष्ठान में भाग लेने के लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत ससमय सिद्ध पीठ पहुंच गए । सिद्धपीठ हथियाराम मठ पर पहुंचने पर महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति महाराज और आचार्यों ने वैदिक मंत्रों से उनका स्वागत अभिनंदन किया। तत्पश्चात संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मंत्रोच्चारण के बीच वृद्धांबिका माता (बुढ़िया माई) का पूजा-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद वह चातुर्मास अनुष्ठान के पूजा- पाठ में शामिल हुए। शाम पांच बजे शिव संकल्प संवाद में प्रतिभाग करने के बाद रात्रि विश्राम को चले गए।

गैगेस्टर व हिस्ट्रीशीटरों के घर दविश देने पहुंची पुलिस, हड़कंप

प्रखर सिकरारा (जौनपुर)। अपराधियों की कमर तोड़ने मे पुलिस टीम ने पूरी तरह से कमर कस ली है। इसकी बानगी बुधवार को क्षेत्र मे दिखी। थाने मे नामित फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटरों, गैगेस्टर मे निरुद्ध, हत्या व हत्या के प्रयास के आरोपितों लुटेरों की गिरफ्तारी हेतु भारी फोर्स के साथ पुलिस ने उनके घरों पर छापमारी कर दविश देकर सतयापन कर परिजनों से पूछताछ किया। कोई भी पुलिस के हत्थे नही चढ़ा। पुलिस की इस कार्रवाई से माफियाओं मे हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा के निर्देश के क्रम मे बुधवार की भोर मे थानाध्यक्ष महेश कुमार सिंह भारी फोर्स के साथ खानापट्टी गांव मे हिस्ट्रीशीटर अमलेश सिंह 'गब्बर' के घर पहुंचे। वहां परिजनों ने बताया कि गब्बर ननिहाल गया है। परिजनों से आवश्यक जानकारी लेकर फोर्स गांव के अन्य मनबढ़ युवको के घर भी जाकर पूछताछ की। भोर मे ही पुलिस के दर्जनों वाहनो के सायरन से गांव मे खलबली सी मच गई। लोग तरह- तरह के कयास लगाने लगे। फोर्स वहां से गैगेस्टर के आरोपित शेरवाँ गांव निवासी साहबलाल, दुदौली गांव निवासी गैगेस्टर आनंद मिश्रा, भुवाँकला गांव के बृजेश सिंह, राजकुमार सिंह 'मुन्ना ', दीपक सिंह 'टीटू ', अमन सिंह ' छोटू', डमरूआ मे दिलीप राय बलवानी के घर जाकर दविश दी। पुलिस टीम अन्य मामले की जानकारी के लिए संदिग्ध लोगो के यहां छापेमारी की।

संक्षिप्त खबरें

ब्लाक प्रमुख ने आंगनबाड़ी केंद्र का किया भूमिपूजन

प्रखर मिजार्पुर। सक्तेशगढ़ विकास खण्ड राजगढ़ में ब्लॉक प्रमुख गजेन्द्र प्रताप सिंह ने आंगन वाडी सेंटर बिशुनपुर व नूनौटी के पूर्वा पतार तथ अतरौली खुर्द में भूमि पूजन कर शिलान्यास किया गया। बताते चलें कि ब्लाक प्रमुख ने प्राथमिक विद्यालय में आवला ,अमरूद जैसे फल दार वृक्षारोपण कर सभी लोगों से भी आग्रह किया कि एक वृक्ष जरूर लगाये जिससे शुद्ध वातावरण मिल सके। समय 11 बजे ही पहुच कर विद्यालय में बना तहरी चख कर अच्छा स्वाद रहा बता कर विद्यालय के प्रधानाचार्य को और अच्छा बनाने को कहा इस अवसर पर जेई आनंद सिंह, राजेन्द्र पटेल, ए डी ओ एस टी संजय सिंह,बी ओ पी आर डी अभय कुमार सिंह, राकेश पटेल , संजय सिंह, बीडीसी सदस्य रामजी चैहान ,संतोष कुमार मौर्य प्रधान, सुरज प्रधान ,अनिल पाल,राजेश बी डी सी ,सुरेन्द्र सोनबरसा खुर्द ,राजू पूर्व प्रधान भगौति देवी, राम समुझ,अमरनाथ ,किशन कुमार ,ओमप्रकाश बिंद व अन्य सम्मानित ग्रामीणों की उपस्थिति में भूमि पूजन किया गया।

25 हजार के इनामी कुख्यात पशु तस्कर को पुलिस ने तमंचे के साथ किया गिरफ्तार

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा के निर्देश पर शाहगंज सर्किल की पुलिस टीम ने पशु तस्करों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू कर दिया है । शाहगंज के तेजतर्रार डिप्टी एसपी शुभम तोदी के निर्देशन में खेतासराय थानाध्यक्ष राजेश कुमार यादव ने ऐसे ही एक कुख्यात पशु तस्कर को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया । जिसकी पुलिस को लंबे समय से तलाश थी । ग्राम मानी कला निवासी गुफरान अहमद पुत्र स्व0 मुख्तार को बीते कई दिनों से पुलिस संबंधित मुकदमें में तलाश रही थी। बुधवार सुबह 7 : 30 बजे को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार यादव को 25 हजार का इनामिया गोवध अधिनियम समेत कई अन्य धाराओं में भुडकुडहा मोड़ से गिरफ्तार कर लिया है। तलाशी लिया तो उसके पास से एक नाजायज तमंचा 12 बोर मय एक जिंदा कारतूस बरामद किया है । पुलिस के अनुसार उक्त पशु तस्कर आरोपी पर गोवध अधिनियम समेत आधा दर्जन गम्भीर आपराधिक मामले दर्ज है । पुलिस ने आरोपित को सम्बंधित मामले में चालान न्यायालय भेज दिया । गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक राजेश, उपनिरीक्षक सकलदीप सिंह मय पुलिस टीम शामिल रहे।

भागवत पुराण कथा के लिये निकली भव्य कलश यात्रा

नगरा, बलिया। सावन पुरुषोत्तम मलमास में क्षेत्र के ढेंकवारी स्थित देवाधिदेव नर्वदेश्वर भगवान के अति प्राचीन शिवमंदिर परिसर में आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद भागवत पुराण कथा के लिए मंगलवार को भव्य कलश यात्रा निकली। यज्ञाचार्य शिवम् मिश्र की अगुवाई में हाथी, घोडे व बाजे गाजे के साथ मंदिर परिसर से शुरू हुई जलयात्रा ककरी स्थित तुतीपार मुख्य नहर पर पहुंची जहां से कलश में सरयू का पवित्र जल लेकर श्रद्धालु पुरुष व महिलाएं मंदिर परिसर में निर्मित मंडप में पहुंची। यहां यज्ञाचार्य ने कलश पूजन कराया। इसके बाद यज्ञाचार्य ने मुख्य यजमान सपत्नीक विनय कुमार पांडेय की उपस्थिति में वैदिक मंत्रों से वेदी पूजन व मंडप प्रवेश कराया। कलश यात्रा के दौरान हर हर महादेव व भगवान विष्णु के जैकारे से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। कलश यात्रा में डा. रमाशंकर पांडेय, अनुज पांडेय, अंशू पांडेय, शिवप्रकाश पांडेय, ग्राम प्रधान सुनीता देवी, योगेंद्र कुमार, महेंद्र यादव, त्रिलोकी नाथ पांडेय,प्रबोध कुमार पांडेय, राहुल चौबे सहित सैकडो ग्रामवासी पुरुष, महिला शामिल हुए। प्रतिदिन सायं 7 बजे से रात 10 बजे तक श्री धाम वृंदावन से पधारे कथा व्यास आचार्य सत्यम मिश्र भागवत कथा सुनायेगें।

डीएम ने जिला राजकीय पुस्तकालय का किया निरीक्षण

बलिया। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने मंगलवार को जिला राजकीय पुस्तकालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कम्प्यूटर कक्ष, वाचनालय एवं लाइब्रेरी हाल में हो रहे साफ सफाई और रंगाई पुताई के कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी ली। और फर्श पर विछने वाली चटाई एवं दीवारों की पुताई हो रहे रंगों का चयन उन्होंने खुद किया है। साथ ही परिसर हाल में लगे आरो प्लांट के नीचे गिर रहे पानी का भी व्यवस्था कराने और वहां पर हमेशा साफ-सफाई रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किताबों को सेक्शन वाइज रखें, ताकि विद्यार्थियों को किताबों को खोजने में असुविधा ना हो।

95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल एवं सृजन सामाजिक विकास न्यास के संयुक्त तत्वधान में किया गया वृहद पौधरोपण

प्रखर वाराणसी। आज 19 जुलाई को श्री सुनील पटेल रोहनिया विधायक के अगुवाई में राइजिंग इंडिया स्कूल सुसुवाही वाराणसी में वृहद पौधरोपण किया गया साथ-साथ विद्यालय के बच्चों अध्यापकों एवं वहां के निवासियों को भी पौधे वितरित किये गये, गंगा हरीतिमा अभियान के ब्रांड एंबेसडर सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह के मिशन एक करोड़ पौधरोपण के तहत श्री अनिल कुमार बृक्ष कमांडेंट 95 बटालियन के देखरेख एवं उप कमांडेंट श्री उमाकांत ओझा के नेतृत्व में राइजिंग इंडिया स्कूल सुसुवाही वाराणसी में बृहद रूप से पौधरोपण किया गया तथा तथा वहां पर उपस्थित विद्यार्थियों शिक्षकों एवं आम जनमानस को एवं पौधें वितरित किये गये इस कार्यक्रम में लगभग 2000 पौधे लगे और वितरित किए गए साथ ही साथ इस कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया एवं जन जागरुकता रैली भी निकाली गयी।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुनील पटेल रोहनिया विधायक थे।मुख्य अतिथि महोदय ने सभी जवानों ऑफिसररो, स्कूल के विद्यार्थियों शिक्षकों,राह गिरोह, आम जनमानस से प्रकृति को हरा-भरा बनाए रखने के लिए वार्षिक शुभ अवसरों पर एक एक पौधे लगाने की लिए एवं प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए अपने जन्मदिन शादी सालगिरह एवं अन्य शुभ अवसरों पर कम से कम एक वृक्ष लगाने के लिए अपील की तथा पौधों को संरक्षित करने के लिए अनिल कुमार सिंह ब्रांड अम्बेसडर पर्यावरण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सपथ भी दिलाई गयी । कार्यक्रम में 95 बटालियन के निरीक्षक परविंदर कुमार एवं प्रवीण सिंह के साथ 95 बटालियन की पूरी टीम, वन विभाग के एसडीओ राकेश कुमार रंजन दिवाकर दुबे एवं वन विभाग की टीम,सृजन समाजिक विकास न्यास विकास के सदस्यगण, राइजिंग इंडिया स्कूल के प्रबंधक जय प्रकाश पाठक आशुतोष पांडे शुभम खत्री तथा छात्र,छात्रा, सौरभ सिंह पटेल शैलेश पटेल राजेश पटेल नीता लाल तथा आम जनमानस ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

कांवड़ मेले के दौरान हरिद्वार नगर निगम की रचनात्मक भूमिका रही : संजय चोपड़ा

प्रखर पूर्वान्चल हरिद्वार। कावड़ मेला 2023 संपन्न हो जाने से उत्साहित सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पूर्व मंडी अध्यक्ष, भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय चोपड़ा के संयोजन में हरिद्वार नगर निगम के नगर आयुक्त दयानंद सरस्वती का कावड़ मेला संपन्न हो जाने के उपरांत सम्मानित करते हुए सार्वजानिक तौर पर फलदार वृक्ष सौंपे वहीं नगर आयुक्त दयानंद सरस्वती, सहायक नगर आयुक्त बीएल आर्य, सहायक नगर आयुक्त श्याम सुंदर प्रसाद, कर अधीक्षक सुनीता सक्सेना, अधिशासी अभियंता रचना पायल व नगर निगम के कर्मचारियों सहित पूर्व मंडी अध्यक्ष, भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने संयुक्त रूप से नगर निगम प्रांगण में फलदार वृक्ष लगाकर वृक्षारोपण किया इस अवसर पर नगर आयुक्त दयानंद सरस्वती ने कहा कावड़ मेला 2023 सभी राजनीतिक, गैर राजनीतिक सामाजिक कार्यकताओं के सहयोग से सफल किया गया उन्होंने कहा सामाजिक संगठनों द्वारा कांवड़ मेले के उपरांत वृक्षारोपण के कार्यक्रम प्रशंसनीय है पूर्व मंडी

अध्यक्ष संजय चोपड़ा द्वारा यह अनोखी पहल पेड़ लगाओ,जीवन बचाओ की जा रही है इसमें नगर निगम प्रशासन वृक्षारोपण के कार्यक्रमों में पूर्ण सहयोग करेगा इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष, भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय चोपड़ा ने कहा कावड़ मेला 2023 निर्विघ्न संपन्न हुआ है जिसमें सबसे बड़ी निर्णायक भूमिका हरिद्वार नगर निगम प्रशासन की है उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के कार्यक्रम आगामी सावन माह तक सभी चौक चौराहे मां गंगा किनारे सार्वजनिक स्थल सरकारी विभागों में इसी प्रकार से पर्यावरण के प्रति जन जागरण अभियान के तहत निरंतर जारी रहेंगे `नगर निगम प्रांगण में सामाजिक संगठनों की ओर से फलदार वृक्षारोपण में सम्मलित हुए लघु व्यापारी नेता मनोज कुमार मंडल, सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार एंथनी, लाल चंद गुप्ता, कमल शर्मा, नीरज कश्यप, चंदन सिंह, अनूप सिंह, आजम अंसारी, यामीन, महिला सहायता समूह अध्यक्ष पूनम माखन, कामनी मिश्रा, श्रीमती नम्रता सरकार, मंजू पाल, सुनीता चौहान, आशा देवी, मनोज कुमार, जय सिंह बिष्ट, चंदन सिंह रावत आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पुलिस ने मोटर साइकिल दो चोरों को किया गिरफ्तार

बलिया। पुलिस अधीक्षक एस0 आनन्द के आदेश के अनुपालन मे अपराध नियत्रंण व संदिग्ध व वांछित अपराधियो के गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 18.07.2023 को थाना कोतवाली पुलिस टीम के उ0नि0 चन्द्र प्रकाश कश्यप चौकी प्रभारी बिचलाघाट मय हमराह पुलिस टीम द्वारा मुखिबरी सूचना पर गायत्री मंदिर पुलिया के पास से मोटरसाइकिल चोरी से संबंधित 02 नफर अभियुक्तों 1. अनीश कुमार पाण्डेय पुत्र श्री भृगुनाथ पाण्डेय निवासी गांगकिशोर थाना सिकन्दरपुर जिसके कब्जे से पैशन प्रो काले रंग की बरामद हुई। तथा वाहन स्वामी राजेन्द्र यादव पुत्र स्व0 पुर्नवासी यादव निवासी भवरेपुर खुरहट मऊ है। दूसरे अभियुक्त 2. निलेश कुमार यादव पुत्र वीरेन्द्र यादव निवासी परसिया खुर्द थाना गड़वार के कब्जे से हीरो स्पलेन्डर काले रंग की बरामद हुई।

किसानों के बैठक के बीच पहुँचे सांसद, किसानों ने सौंपा मांग पत्र

प्रखर पिंडरा वाराणसी। बाबतपुर एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के तहत भू- अधिग्रहण के सम्बंध में बुधवार को किसानों की बैठक कैथौली स्थित एक लान में की। बैठक के बीच पहुचे स्थानीय सांसद को किसानो ने अपनी माँगो से सम्बंधित छः सूत्रीय माँग पत्र सौंपें। बता दे कि एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिए सात गाँव के किसानो से 294 एकड़ भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है । सर्वे हो चुका है और सर्वे रिपोर्ट शासन को प्रेषित कर दिया गया है इस बीच किसानो को सूचना मिली है की मुआवजा 2011-12 के सर्किल रेट के अनुसार मिलेगा जो इस समय के मार्केट रेट से काफी कम है इसके अलावा किसानो को यह भी सूचना मिली है कि आबादी की जमीन का कुछ भी मुआवजा नही मिलेगा सिर्फ. उक्त जमीन पर बने मकान या दुकान का ही मुआवजा मिलेगा । जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त हो गया और अपनी मांगों को लेकर कथौली स्थित एक लान में बैठक कर अपनी समस्याओं के बाबत किसानों ने बिचार रखे। जिसमे वर्तमान मूल्य दर से मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी, और भूमिहीन हो रहे किसानों के विस्थापन की व्यवस्था समेत 6 सूत्रीय मांग पत्र को मछलीशहर सांसद वीपी सरोज को दिया। जिसपर उन्होंने किसानो को आश्वस्त किया कि उनके सहमति

के बिना जमीन नही ली जाएगी । इस सम्बंध में केंद्र और प्रदेश सरकार से वार्ता करेंगे । इस अवसर पर किसान व एडवोकेट सुभाष दुबे ,शैलेश पांडेय ,भरत पाठक , डॉ दिनेश मिश्रा, विक्की पाठक ,मनीष पाठक ,अभिषेक सिंह राजपूत , देवेंद्र प्रताप मिश्र , अमित पाठक , धीरज मिश्र ,जगन्नाथ लाल ,बलिराज राजभर ,पिंटू सिंह, रंजित पटेल, श्रीराम वर्मा, प्रवेश दुबे, विकास चौबे, रामजीत यादव समेत अनेक किसान रहे।

एटीएम कार्ड बदल कर जालसाजी करने वाले 2 फ्रॉड चढ़े पुलिस के हत्थे

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। मंडुवाडीह पुलिस ने पिछले दिनों एटीएम फ्रॉड कर लोगों के पैसे उड़ाने वाले शातिर जालसालों की तस्वीर सोशल मीडिया पर जारी की थी। इसी क्रम में मंडुवाडीह पुलिस ने आदित्य कुमार 26 वर्ष निवासी अकथा थाना सारनाथ और आफताब 36 वर्ष निवासी चांदमारी थाना शिवपुर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1 अपाचे बाइक,6 एटीएम कार्ड और 15750 रुपए बरामद किए। मंडुवाडीह थाने पर थाना प्रभारी विमल कुमार मिश्रा ने पत्रकारों को बताया पिछले कई दिनों से शिकायत मिल रही थी कि कुछ जालसाज लोगों का एटीएम कार्ड बदलकर उनके रुपए उड़ा दे रहे है जिस पर उन्होंने क्राइम टीम प्रभारी शुभेंदु दीक्षित,कांस्टेबल सूर्यभान सिंह,हेड कांस्टेबल सत्यम,हेड कांस्टेबल शक्ति यादव एवं कमांड सेंटर सिगरा के अवनीश कुमार पांडे समेत अन्य पुलिसकर्मियों की एक टीम गठित और संदिग्धों की फोटो जारी कर उनकी तलाश में जुट गई। मंगलवार की रात में संदिग्धों की तलाश में पुलिस टीम सारनाथ के अकथा क्षेत्र में गई तो पुलिस टीम को एक घर के बाहर खड़ी नीले रंग की अपाचे बाइक नजर आई वह बाइक संदिग्ध अवस्था में देख उन्होंने उक्त बाइक जहां खड़ी थी उस मकान के दरवाजे को खटखटाया तो अंदर निकलने वाला व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर सकपका गया इस पर पुलिस टीम अपाचे बाइक और आदित्य को लेकर मंडुवाडीह थाने आई और संदिग्ध व्यक्तियों से फोटो की मिलान की तो आदित्य का चेहरा मिलान कर गया जिस पर उन्होंने उससे आफताब का पता पूछा तो आदित्य ने आफताब के चांदमारी स्थित आवास का पता बता दिया जिस पर पुलिस टीम ने आफताब को भी घर से उठा लिया और उनकी निशानदेही पर 6 एटीएम कार्ड तथा उनके पास से 15750 रुपये बरामद किए। पूछताछ में उन्होंने बताया की बरामद हुए पैसे हम लोगों ने 15 जुलाई को बौलिया क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से एक महिला का कार्ड बदलकर 25 हजार उड़ाए थे जिसमे से लगभग 8 हजार रुपये खर्च हो गए।उन्होंने पुलिस को बताया कि हम दोनो प्रतापगढ़,जौनपुर,भेलूपुर , सिंधोरा,गाजीपुर,मऊ समेत आसपास के क्षेत्रों में जाकर जो भी बुजुर्ग टाइप के व्यक्ति एटीएम में नजर आते हैं या कोई अकेली महिला तो उसे हम अपना शिकार बनाते थे और बातों में उन्हें फसाकर कार्ड बदल दिया करते थे तथा यह अपाचे बाइक इनके प्रतापगढ़ निवासी एक दोस्त की है जो प्रतापगढ़ निवासी इनका दोस्त भी इस घटना में शामिल रहा। इनमे से आदित्य के खिलाफ एक मुकदमा औ? आफताब पर कई थानों में जालसाजी के मुकदमे दर्ज है।पुलिस टीम इन दोनों को जेल भेज बाकी दो फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

बेसिक शिक्षा के सभी विद्यालयों में छात्रहित के दृष्टिगत अभिभावको की बैठक अनिवार्य रूप से की जाए : गिरीश चन्द यादव

प्रखर जौनपुर। शिक्षा सत्र 2023-24 में बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को ड्रेस, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता-मोजा एवं स्टेशनरी क्रय हेतु प्रति छात्र-छात्रा को रु0 1,200 की धनराशि को उनके माता/पिता/अभिभावक के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरण प्रक्रिया का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा डीबीटी के माध्यम से यह धनराशि अभिभावकों के खाते में भेजी गई। इसी क्रम में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद के कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में राज्यमंत्री खेल एवं युवा कल्याण उत्तर प्रदेश शासन गिरीश चन्द यादव, मुख्य विकास अधिकारी, साईं तेजा सीलम, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर गोरखनाथ पटेल की उपस्थिति में छात्रों एवं उनके अभिभावकों ने देखा। राज्यमंत्री ने प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को स्कूल बैग सहित अन्य स्टेशनरी के सामान वितरित किए। राज्यमंत्री श्री यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार के द्वारा पहली बार इतने बड़े पैमाने पर उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की है कि भेजे गए पैसों से ड्रेस,जूता मोजा खरीद कर अपने बच्चों पहना कर विद्यालय भेजें।

पारदर्शी तरीके से पैसे अभिभावकों के खाते में भेजा जा रहा हैं। जनपद के विद्यालयों में आने वाले परिवर्तन में शिक्षकों का विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों की भी नैतिक जिम्मेदारी होती है कि उनके बच्चे अच्छे से विद्यालय आए। मंत्री श्री यादव ने कहा कि सभी विद्यालयों में अभिभावक बैठक अनिवार्य रूप से की जाए। अभिभावक बैठक में उन्हें प्रोत्साहित किया जाए और उनके बच्चों के बारे में अच्छी बातें और कमियों को बताएं जिससे उनमें सुधार लाया जा सके और प्रोत्साहित किया जा सके। मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ऑपरेशन कायाकल्प से विद्यालयों का जीर्णोद्धार करते हुए शौचालय, पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने शिक्षकों से अपील किया कि पुरातन छात्रों से समन्वय कर विद्यालय में आवश्यक कार्य कराये। राज्यमंत्री ने कहा कि परिषदीय विद्यालय के बच्चे कॉन्वेंट विद्यालयों से अच्छे साबित होंगे। राज्यमंत्री ने कहा कि खेल नीति के तहत सभी विद्यालयों में 40 मिनट के खेल अनिवार्य किए गए हैं, बच्चों के अंदर प्रतिस्पर्धा की भावना खेल के माध्यम से जागृत किए जाए, जिससे बच्चों में बौद्धिक क्षमता के साथ-साथ शारीरिक क्षमता का भी विकास हो और बच्चे बीमारियों से दूर रह रहे। सभी शिक्षकों से अपील किया कि सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए शिक्षण का कार्य करें, बच्चों को अपने बच्चों की तरह अनुशासन के साथ-साथ देखभाल और पढ़ाने का कार्य करें। राज्यमंत्री द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी साईं सीलम तेजा ने आए हुए छात्रों एवं अभिभावकों का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि परिषदीय विद्यालयों में परिवर्तन लाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से कटिबद्ध है और सभी प्रकार से सहयोग किया जा रहा है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल ने बताया कि जनपद में कुल दो लाख 85 हजार 3 सौ 3 बच्चों को कुल 34 करोड़ 23 लाख 63 हजार 6 सौ रुपये डीबीटी के माध्यम से रु 1200 प्रति छात्र के अभिभावक के खाते में भेजा गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप जनपद में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव किए जा रहे हैं। जनपद में परिषदीय विद्यालयों के बच्चे बहुत ही प्रतिभावान है उनकी प्रतिभा को सभी क्षेत्रों में निखारने का प्रयास किया जा रहा है।इस अवसर पर परिषदीय विद्यालय के छात्र अभिभावक व बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अमेरिका ने भारत को 105 प्राचीन वस्तुएं सौंपी

■ न्यूयॉर्क (भाषा)।

■ दूसरी-तीसरी शताब्दी ईस्वी से लेकर 18वीं-19वीं शताब्दी ईस्वी तक की हैं वस्तुएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा के कुछ दिन बाद दूसरी-तीसरी शताब्दी ईस्वी से लेकर 18वीं-19वीं शताब्दी ईस्वी तक की कुल 105 प्राचीन वस्तुओं को अमेरिकी अधिकारियों की ओर से भारत को वापस भेजा जा रहा है।

अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू, महावाणिज्य दूत रणधीर जायसवाल और मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय के अधिकारियों की उपस्थिति में न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में अमेरिका द्वारा कुछ मूल्यवान भारतीय प्राचीन वस्तुएं सौंपी गई। संधू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'भारत वापस भेजी जा रहीं ये प्राचीन वस्तुएं सिर्फ कला का ही नहीं बल्कि हमारी विरासत, संस्कृति और धर्म का भी हिस्सा हैं।' उन्होंने कहा कि इन प्राचीन वस्तुओं को जल्द ही भारत ले जाया जाएगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि कुल 105 कलाकृतियां हैं, जिनमें से 47 पूर्वी भारत से, 27 दक्षिणी भारत से, 22 मध्य भारत से, छह उत्तरी भारत से और तीन पश्चिमी भारत से हैं।

इसमें कहा गया है कि दूसरी-तीसरी शताब्दी ईस्वी से लेकर 18वीं-19वीं शताब्दी ईस्वी तक की अवधि की ये कलाकृतियां टेराकोटा, पत्थर, धातु और लकड़ी से बनी हैं। पिछले महीने प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान इन सांस्कृतिक वस्तुओं की वापसी में मदद करने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन को धन्यवाद दिया था। संधू ने मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया और सुरक्षा अधिकारियों तथा अन्य एजेंसियों को इन कलाकृतियों को भारत वापस लाने में मदद करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता और प्रयासों के वास्ते धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक वस्तुओं के अवैध व्यापार को रोकने के लिए भारत और अमेरिका एक साथ मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा, 'इससे हमारी एजेंसियों के बीच सहयोग और मजबूत होगा और तस्करों के लिए बचना मुश्किल हो जायेगा।'

मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी कार्यालय के 'चीफ ऑफ स्टॉफ' जॉर्डन स्टॉकडेल ने कहा कि एक दशक से अधिक समय से एजेंसी ने सुरक्षा एजेंसी के साथ मिलकर दुनियाभर से कलाकृतियों को अवैध रूप से लूटने और बेचने के लिए तस्कर सुभाष कपूर और उसके सह-साजिशकर्ताओं की जांच की है। प्रधानमंत्री मोदी की 2016 की अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिका की ओर से 16 प्राचीन वस्तुएं सौंपी गई थीं। इसी तरह 2021 में अमेरिकी सरकार ने 157 कलाकृतियां सौंपीं थीं, जो सितम्बर 2021 में प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के बाद भारत लाई गई थीं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन 105 प्राचीन वस्तुओं के साथ अमेरिका ने 2016 से अब तक भारत को कुल 278 सांस्कृतिक कलाकृतियां सौंपी हैं।

सऊदी में एर्दोगन, कई समझौतों पर हस्ताक्षर

जेद्दा (आईएएनएस)। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के सऊदी अरब पहुंचने पर दोनों देशों ने निवेश, रक्षा उद्योग, ऊर्जा और संचार से जुड़े कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। अनादोलु समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेद्दा शहर में एर्दोगन और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल की बैठक के बाद सोमवार को समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। राष्ट्रपति एर्दोगन ने इससे पहले अल-सलाम रॉयल पैलेस में बंद दरवाजे के पीछे सऊदी क्राउन प्रिंस के साथ बैठक की। संबंधों को मजबूत करने के लिए तुर्की के नेता तीन दिवसीय खाड़ी दौरे के तहत सोमवार को सऊदी अरब पहुंचे। विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद सहित कई उच्च पदस्थ सऊदी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

पाक के सिंध प्रांत के हिंदू मंदिरों में उच्च सुरक्षा अलर्ट

■ कराची (भाषा)।

■ 400 पुलिसकर्मियों को किया गया है तैनात

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में इस सप्ताह डकैतों के गिरोह द्वारा एक हिंदू मंदिर पर रॉकेट से हमला करने के बाद अधिकारियों ने प्रांत के मंदिरों में उच्च सुरक्षा अलर्ट का आदेश दिया है और 400 पुलिस कर्मियों को तैनात किया है।

हमलावरों ने रविवार को सिंध प्रांत के काशमोर इलाके में मंदिर और आसपास के हिंदुओं के घरों पर हमला किया। 'जियो न्यूज' पोर्टल की खबर के अनुसार, सिंध पुलिस प्रमुख गुलाम नबी मेमन ने पूरे प्रांत के मंदिरों की सुरक्षा के लिए हाई अलर्ट का आदेश दिया है। खबर में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न रेंज और जिलों में 400 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। पुलिस कर्मी प्रशासनिक आधार पर सुरक्षा कर्तव्य निभाएंगे और मंदिरों में तैनात सभी कर्मियों को भी दो महीने के लिए सुरक्षा कर्तव्यों का काम सौंपा गया है।

सिंध के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) गुलाम नबी मेमन ने हिंदुओं से मंदिरों में सुरक्षा कर्तव्यों के लिए तैनात कर्मियों के साथ हर संभव सहयोग सुनिश्चित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि प्रांत में रहने वाले अल्पसंख्यकों और अन्य समुदायों की रक्षा करना पुलिस की जिम्मेदारी है। काशमोर-कंधकोट पुलिस ने मंदिर पर हमले को लेकर सोमवार को अज्ञात हमलावरों के खिलाफ आतंकवाद रोधी अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। अज्ञात हमलावरों के खिलाफ एक मामला गौसपुर थाने में दर्ज किया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि तलाश अभियान शुरू कर दिया गया है और दोषियों को पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गौसपुर शहर में एक सदी पुराना मंदिर है, जिसकी सुरक्षा पुलिस ने सुनिश्चित की है।

सिंध के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ज्ञानचंद एस्सरानी ने प्रांत के डकैतों से आग्रह किया है कि वे अपने हिंदू समुदाय को नुकसान न पहुंचाएं जो पिछली कई शताब्दियों से इस क्षेत्र में शांतिपूर्वक रह रहे हैं। मंत्री ने सोमवार को प्रांतीय विधानसभा के पटल पर एक प्रश्न का उत्तर देते समय यह अपील की। मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के विधायक मंगला शर्मा ने कहा कि नदी क्षेत्रों में भारी हथियारों से लैस डाकुओं ने सिंध में एक मंदिर पर हमला करने के लिए रॉकेट लॉन्चर का इस्तेमाल किया। शर्मा ने कहा कि घटना के बाद समुदाय डर के साये में जी रहा है। दूसरी ओर, एस्सरानी ने सदन को बताया कि डकैतों ने प्रांत के मंदिरों पर हमला करने की भी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में हिंदू समुदाय ने कुछ भी गलत नहीं किया है, इसलिए उनके पूजा स्थलों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी सितंबर में यूएनजीए को कर सकते हैं संबोधित

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र द्वारा यहां जारी वक्ताओं की एक अनंतिम सूची के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के वार्षिक उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र की उच्च स्तरीय आम चर्चा 19 सितंबर, 2023 को शुरू होगी, जिसमें ब्राजील सत्र का पारंपरिक रूप से पहला वक्ता होगा, उसके बाद अमेरिका होगा। महासभा के 78वें सत्र की उच्च स्तरीय आम चर्चा के लिए वक्ताओं की अनंतिम सूची के अनुसार भारत के 'शासनाध्यक्ष' 22 सितंबर की दोपहर में सत्र को संबोधित करेंगे। सूची अनंतिम है और अगले कुछ हफ्तों में कार्यक्रम और वक्ताओं में बदलाव की संभावना है।

रहस्यमय वस्तु भारतीय रॉकेट का टुकड़ा हो सकती है

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के एक सुदूर समुद्री तट पर गुंबद के आकार की एक रहस्यमय वस्तु बहकर आई है और ऐसा माना जा रहा कि यह 20 साल पुराने भारतीय रॉकेट का एक

टुकड़ा हो सकती है जिसका इस्तेमाल उपग्रह प्रक्षेपण के लिए किया गया था। गुंबद के आकार की यह वस्तु पर्थ से लगभग 250 किलोमीटर उत्तर में ग्रीन हेड समुद्र तट पर पाई गई है। इसरो के सूत्रों ने आस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी से औपचारिक संचार प्राप्त होने की पुष्टि की लेकिन उन्होंने इस संबंध में कोई विवरण नहीं दिया।

भारतवंशी सिंगापुरी रैपर दुर्भावना बढ़ाने का दोषी

सिंगापुर। भारतीय मूल के सिंगापुरी रैपर को यहां की एक अदालत ने मंगलवार को सिंगापुर में नस्लीय और धार्मिक समूहों के बीच दुर्भावना को बढ़ावा देने का प्रयास करने का दोषी पाया। चैनल न्यूज एशिया की खबर के अनुसार, सुभाष गोविन प्रभाकर नायर (31) को जुलाई 2019 और मार्च 2021 के बीच हुई घटनाओं को लेकर चार ऐसे आरोपों में दोषी ठहराया गया था। सजा पर बहस बाद में होगी।

भारतवंशी सांसद को 'चैंपियन ऑफ हेल्थकेयर इनोवेशन अवार्ड'

वाशिंगटन। चिकित्सक से नेता बने भारतीय-अमेरिकी डॉ. एमी बेरा को अमेरिका में उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधा को किफायती और सुलभ बनाने में उनके योगदान के लिए 'चैंपियन ऑफ हेल्थकेयर इनोवेशन अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। अमेरिकी कांग्रेस में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले भारतीय-अमेरिकी 58 वर्षीय बेरा उन लोगों में शामिल हैं, जिन्हें पिछले सप्ताह यहां हेल्थकेयर लीडरशिप काउंसिल के इनोवेशन एक्सपो के दौरान सम्मानित किया गया।

जेएंडके : मजदूरों पर हमले के बाद थानेदार को हटाया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकी हमले में बिहार के तीन श्रमिकों के घायल होने के कुछ दिनों बाद शोपियां थाना प्रभारी गुलाम जिलानी भट को हटाकर उन्हें रेंज पुलिस मुख्यालय (आरपीएचक्यू) अनंतनाग भेजा गया है। इस मामले में जांच लंबित है।

पाक में आतंकी कृत्यों में शामिल नहीं अफगान शरणार्थी : अमेरिका

■ वाशिंगटन (भाषा)।

■ पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों पर लगाए थे दहशतगर्दी के आरोप

इस्लामाबाद द्वारा अस्थिरता पैदा करने का आरोप लगाए जाने के बाद व्हाइट हाउस ने कहा है कि पाकिस्तान में रह रहे या अफगानिस्तान के साथ लगने वाली सीमा पर रह रहे अफगान शरणार्थियों के आतंकवादी कृत्यों में शामिल होने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने यह बात कही।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दो दिन पहले कहा था कि देश में बढ़ते आतंकवादी हमलों के बीच अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान में बसने की अनुमति देना एक गंभीर गलती थी। आसिफ ने कहा था, 'मौजूदा स्थिति ने अफगान शरणार्थियों को प्रदान की गई सुविधाओं के संबंध में चिंताएं बढ़ा दी हैं।' उन्होंने कहा कि अफगान शरणार्थियों को आश्रय और सुविधाएं देने के परिणाम पाकिस्तान को भुगतने पड़े हैं। उन्होंने अफगान नागरिकों पर आतंकी गतिविधियों में शामिल होने का भी आरोप लगाया। किर्बी ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, पाकिस्तान में या अफगानिस्तान से लगने वाली उसकी सीमा पर रह रहे अफगान शरणार्थियों के आतंकवादी कृत्यों में शामिल होने के हमें कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इतनी अधिक संख्या में अफगान नागरिकों की मदद करने के लिए अमेरिका पाकिस्तान की सराहना करता है और 'हम आतंकवाद की चुनौतियों से निपटने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करना जारी रखेंगे।' किर्बी ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'मेरा मतलब है कि राष्ट्रपति ने स्पष्ट कर दिया है कि हम आतंकवाद विरोधी क्षमता में सुधार को गंभीरता से लेंगे और हम इसका प्रभावी ढंग से उपयोग करेंगे।' आसिफ ने शनिवार को कहा था कि इमरान खान के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान काफी गंभीर गलतियां की थीं। उन्होंने कहा था, 'तीन लाख से अधिक लोगों को यहां लाया गया है, जबकि 500,000 अफगान प्रवासी पहले से मौजूद हैं।' पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारियों ने सोमवार को तालिबान शासित अफगानिस्तान के परोक्ष संदर्भ में कहा कि 'पड़ोसी देश' में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों को पनाहगाह और नए-नए हथियार उपलब्ध कराना आतंकवादी हमलों में वृद्धि के कारणों में से एक हैं। उन्होंने पड़ोसी देश का नाम नहीं लिया। पिछले हफ्ते पाकिस्तान ने पड़ोसी देश अफगानिस्तान पर अपनी धरती पर प्रतिबंधित टीटीपी को पनाह देने का आरोप लगाया था।

अमेरिका ने द. कोरिया में परमाणु शक्ति संपन्न पनडुब्बी भेजी

■ सियोल (एपी)।

■ उ. कोरिया को किया आगाह

अमेरिका ने चार दशक में पहली बार मंगलवार को दक्षिण कोरिया में एक परमाणु शक्ति संपन्न पनडुब्बी भेजी और उत्तर कोरिया को आगाह किया।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपतियों ने उत्तर कोरिया की ओर से बढ़ते परमाणु खतरे के जवाब में अप्रैल में अनेक समझौते किये थे जिनमें से एक दक्षिण कोरिया में अमेरिका की परमाणु बैलिस्टिक मिसाइलों को ले जा सकने वाली पनडुब्बियों की समय-समय पर आमद है। उन्होंने एक द्विपक्षीय परमाणु परामर्श समूह स्थापित करने और सैन्याभ्यास बढ़ाने पर भी सहमति जताई।

दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ओहायो-श्रेणी की पनडुब्बी 'यूएसएस केंचुकी' मंगलवार दोपहर में दक्षिण कोरिया के बुसान बंदरगाह पर पहुंची। उसने कहा कि यह 1980 के दशक के बाद से अमेरिका की किसी परमाणु क्षमता संपन्न पनडुब्बी की पहली दक्षिण कोरिया यात्रा है। रक्षा मंत्री ली जोंग-सुप ने पनडुब्बी के आने को अमेरिका की प्रतिरोधक प्रतिबद्धता को लेकर उसका संकल्प बताया। उन्होंने कहा कि पनडुब्बियों का आना उत्तर कोरिया के खिलाफ सहयोगी देशों की क्षमता और रुख को दिखाता है। शीत युद्ध के दौरान 1970 के दशक के अंत में अमेरिकी परमाणु शक्ति संपन्न बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों ने दक्षिण कोरिया के लगातार कई दौरे किये थे और फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स के अनुसार कई बार एक महीने में दो से तीन बार ये दौरे होते थे।

अमेरिकी नागरिक उत्तर कोरिया में घुसा

सियोल (एपी)। एक अमेरिकी नागरिक दक्षिण कोरिया से सीमा पार कर उत्तर कोरिया में चला गया। संयुक्त राष्ट्र कमान ने यह जानकारी दी। कोरियाई प्रायद्वीप पर सुरक्षा सुनिश्चित करने की इच्छा रखने वाले निकाय ने मंगलवार को ट्वीट किया कि अमेरिकी नागरिक एक कोरियाई सीमावर्ती गांव के दौरे पर था और बिना इजाजत के उत्तर कोरिया की सीमा में चला गया। उसने कहा कि वह इस समय उत्तर कोरिया की हिरासत में है और संयुक्त राष्ट्र कमान इस घटना को सुलझाने के लिए अपने उत्तर कोरियाई समकक्षों के साथ काम कर रही है। उसने इस मामले में और विवरण नहीं दिया है।

इसी बीच दक्षिण कोरिया और अमेरिका के एक द्विपक्षीय परामर्श समूह ने मंगलवार को सियोल में मुलाकात की और उत्तर कोरिया के उभरते परमाणु खतरों के खिलाफ अपने देशों की निरोधक क्षमताओं को मजबूत करने पर चर्चा की। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक यिओल की अप्रैल में हुई मुलाकात के दौरान समझौतों के तहत परमाणु परामर्श समूह बनाया गया था। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने कहा कि इस समूह का काम परमाणु और रणनीतिक हथियारों के परिचालन की योजना पर सूचना साझा करना और संयुक्त अभियान पर चर्चा करना है। अमेरिका अपने परमाणु हथियारों पर परिचालन नियंत्रण कायम रखेगा और उसके अधिकारियों का कहना है कि अप्रैल में समूह की स्थापना और अन्य कदमों का उद्देश्य उत्तर कोरिया की उकसावे वाली कार्रवाई को लेकर दक्षिण कोरिया की चिंताओं को दूर करना है। यून ने कैबिनेट काउंसिल की बैठक में कहा कि समूह की उद्घाटन बैठक कोरिया-अमेरिका की ओर से शक्तिशाली और प्रभावी निरोधक प्रणाली स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण शुरुआत होगी।

बाइडन ने नेतन्याहू को वाशिंगटन आने का दिया न्योता

■ यरूशलम (आईएएनएस)।

■ दोनों नेताओं ने की बातचीत

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने फोन पर बातचीत के दौरान वाशिंगटन आने का निमंत्रण दिया।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं के बीच कई महीनों में पहली बार लंबी और गर्मजोशी भरी बातचीत हुई और इस दौरान बाइडन ने नेतन्याहू को व्हाइट हाउस आने का निमंत्रण दिया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बयान का हवाला देते हुए बताया कि बातचीत दो करीबी सहयोगियों, ईरान के बीच संबंधों को मजबूत करने और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजरायलियों और फिलिस्तीनियों के बीच हिंसा को कम करने के आवश्यक प्रयासों पर केंद्रित थी। उन्होंने मध्य पूर्व में इस्राइल के एकीकरण को जारी रखने के बारे में भी बात की, जो 2020 में अमेरिका की मध्यस्थता वाले अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर के साथ शुरू हुई, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और मोरक्को ने इस्राइल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने पर सहमति व्यक्त की।

पाक सरकार आठ अगस्त को संसद भंग करेगी

इस्लामाबाद (भाषा)। पाकिस्तान के प्रमुख सत्तारूढ़ गठबंधन सहयोगी आम चुनाव के लिए अतिरिक्त समय हासिल करने के वास्ते पांच साल का कार्यकाल पूरा होने से कुछ दिन पहले आठ अगस्त को नेशनल असेंबली (संसद का निचला सदन) को भंग करने पर सहमत हो गए हैं। मंगलवार को एक खबर में यह जानकारी दी गई है।

नेशनल असेंबली का पांच साल का मौजूदा संवैधानिक कार्यकाल 12 अगस्त की मध्य रात्रि को समाप्त होगा। 'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार, सरकार में दो प्रमुख गठबंधन सहयोगी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) आठ अगस्त को नेशनल असेंबली को भंग करने पर सहमत हुए हैं। सूत्रों के हवाले से खबर में कहा गया है कि संसद के निचले सदन को शीघ्र भंग करने में किसी भी बाधा से बचने के लिए आठ अगस्त को सदन भंग करने का निर्णय लिया गया।

रूसी सुरक्षा बलों ने ओडेसा के बंदरगाह को निशाना बनाया

■ कीव (एपी)।

रूस के बिना भी अनाज समझौता जारी रखने की उम्मीद : जेलेंस्की

कीव (आईएएनएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि उनके देश को काला सागर अनाज समझौता जारी रखने की उम्मीद है। जेलेंस्की के प्रवक्ता सर्गेई न्यकीफोरोव ने फेसबुक पर इसकी जानकारी दी। रूस इस समझौते से बाहर हो गया है। जेलेंस्की के हवाले से कहा गया, रूस के बिना भी हम कर सकते हैं ताकि हम इस काला सागर गलियारे का उपयोग कर सकें। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्रालय को समझौते को जारी रखने के संबंध में संयुक्त राष्ट्र और तुर्की के लिए आधिकारिक संकेत तैयार करने का आदेश दिया। जेलेंस्की ने कहा कि अगर यूक्रेन और तुर्की जहाजों को गुजरने की अनुमति देंगे तो जिन कंपनियों के पास जहाज हैं वे अनाज की आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार हैं।

यूक्रेनी सुरक्षा बलों ने मंगलवार को ओडेसा के बंदरगाह पर तड़के हुए रूसी हमले में विस्फोट करने वाले कई ड्रोन और छह क्रूज मिसाइल को नष्ट कर दिया। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रूस द्वारा यूक्रेन को युद्ध के दौरान काला सागर के जरिए अनाज की आपूर्ति करने के समझौते को तोड़ने की घोषणा के एक दिन बाद यह घटनाक्रम हुआ है। यूक्रेनी सेना की दक्षिणी कमान ने कहा है कि रूसी सेना ने ड्रोन हमले से यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को कमजोर करने की कोशिश की और फिर छह कलिब्र क्रूज मिसाइल से ओडेसा को निशाना बनाया। अधिकारियों ने बताया कि ओडेसा और दक्षिण के अन्य क्षेत्रों में हवाई सुरक्षा बलों ने सभी छह मिसाइल और 25 ड्रोन को गिरा दिया, लेकिन उनके मलबे से बंदरगाह की कुछ सुविधाओं और आवासीय इमारतों को नुकसान पहुंचा। इस घटना में एक बुजुर्ग व्यक्ति घायल हो गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक ने कहा कि हमले से पता चलता है कि रूस दुनिया भर के लाखों लोगों के जीवन को खतरे में डालने के लिए तैयार है, जिन्हें यूक्रेनी अनाज निर्यात की जरूरत है।

ब्रिटेन में घरेलू आतंक को लेकर प्राथमिक चुनौती इस्लामी आतंकवाद से

लंदन (भाषा)। ब्रिटेन की संसद में पेश नई सरकारी रिपोर्ट के अनुसार देश में घरेलू आतंकवाद को लेकर प्राथमिक चुनौती इस्लामी आतंकवाद से है और अल कायदा एवं इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकवादी समूहों से स्पष्ट जुड़ाव व्यापक ऑनलाइन चरमपंथी प्रभावों के लिए रास्ता बना रहा है।

■ संसद में पेश की गई रिपोर्ट में किया गया दावा

गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने 'हाउस ऑफ कॉमंस' में 'संघर्ष : आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए ब्रिटेन की रणनीति 2023' पेश की। उन्होंने विदेश में स्थित इस्लामी समूहों से देश के सामने मौजूद खतरे से संबंधित इस रिपोर्ट के निष्कर्षों पर प्रकाश डाला। भारतीय मूल की मंत्री ब्रेवरमैन ने कहा कि उनका विभाग आतंकवादी खतरे का मुकाबला करने की खातिर अधिक चुस्त और व्यापक दृष्टिकोण अपनाने के लिए रिपोर्ट के अद्यतन संस्करण का उपयोग करेगा।

उन्होंने कहा, 2018 में रिपोर्ट का अंतिम संस्करण प्रकाशित होने के बाद से, ब्रिटेन में नौ आतंकवादी हमले हुए, जिनमें छह लोगों की मौत हुई और 20 लोग घायल हो गए। विदेश में हुए 11 आतंकवादी हमलों में ब्रिटेन के 24 नागरिक मारे गए हैं। इनमें से अधिकांश इस्लामी आतंकवादी हमले थे। मंत्री ने संसद को बताया कि नवीनतम रिपोर्ट में घरेलू आतंकवादी खतरे से निपटने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। इस खतरे के बारे में पूर्वानुमान लगाना, इनका पता लगाना और जांच करना थोड़ा मुश्किल होता है।

पाकिस्तानी सीमा हैदर का 'प्यार हकीकत या फसाना'

नई दिल्ली।

■ घुसपैठ की पहेली को सुलझाएगी तीसरी आंख

■ आईएसआई को अचानक सीमा के प्रति प्रेम क्यों छलक गया

क्या वाक़ई सचिन के प्यार ने सीमा को देश की सीमा लांघने को मजबूर किया या फिर अपने देश (पाकिस्तान) प्रेम ने जान को जोखिम में डालकर सीमा ने सीमा को लांघने को मजबूर हो गई। फिलहाल पाकिस्तान से अवैध रूप से भारत में आई सीमा हैदर की हकीकत एक पहेली बन गयी है। अनसुलझे पहेली को सुलझाने के लिए एजेंसियों ने अपनी सारी ताकत झोंक दी है। सीमा आईएसआई की एजेंट है या नहीं यह तो भविष्य की जांच ही बताएगा मगर फिलहाल जो स्थिति जो बयां कर रही है वह सीमा को संदेह के घेरे में डाल रहा है।

वैसे खुफ़िया एजेंसियां और जांच एजेंसी जो पूछताछ कर रही है उसमें कई नई बातें निकल रही है। सवाल उठता है कि आख़िर पाक खुफ़िया आईएसआई को अचानक सीमा के प्रति प्रेम क्यों छलक गया और कहा कि सिर्फ प्यार के कारण सीमा भारत गई। उधर खुफ़िया और जांच एजेंसी सशस्त्र सीमा बल भारत-नेपाल बॉर्डर के जिस प्वाइंट के जरिये सीमा हैदर भारत में अवैध रूप से दाखिल हुई, उस प्वाइंट पर लगे तीसरी आंख के रूप में काम कर रहा सीसीटीवी कैमरे की फुटेज जांच कर रही है। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सीमा हैदर के भारत में दाखिल होने की पूरी जानकारी हासिल करने के लिए जल्द ही खुफ़िया और यूपी एटीएस की टीम नेपाल जा सकती है और पता लगाएगी कि नेपाल में रहने के दौरान सीमा जहां-जहां गई, उन रूटों की जानकारी खुफिया विभाग को मिली है। सीमा इससे पहले भी 10 मार्च 2023 को पाकिस्तान से दुबई के रास्ते नेपाल पहुंची थी। यहीं पर सचिन से उसकी मुलाकात हुई थी। यहां पर दोनों ने एक होटल लिया था, जिसका नाम विनायक होटल था। होटल में रूकने के बाद सीमा वापस पाकिस्तान चली गई थी। हालांकि, अब फिर सीमा वापस भारत आ गई है। सीमा का कहना है कि वह अपने मोहब्बत सचिन के लिए भारत आई है। वह कोई झूठ नहीं बोल रही है।

सूत्रों के अनुसार खुफ़िया और जांच एजेंसी को पूछताछ के दौरान कई चौकाने वाले खुलासे हुए है। जानकारी के मुताबिक, सचिन पहला हिंदुस्तानी युवक नहीं है जिससे वह पब्जी के जरिए मिली थी। इससे शक और गहरा रहा है कि सचिन से उतनी मोहब्बत नहीं है जितना दिखा और बोल रही है। जांच में मालूम हुआ कि इससे पहले भी वह भारत के कुछ युवकों के संपर्क में थी। जिन लोगों से सीमा ने संपर्क किया था वो ज्यादातर दिल्ली एनसीआर के है। यानी खुफ़िया सूत्रों की माने तो सीमा का टारगेट दिल्ली एनसीआर था।

सूत्रों के मुताबिक, सीमा हैदर से सोमवार को एटीएस ने अंग्रेजी की कुछ लाइन पढ़वाई थी, जिसे सीमा ने न सिर्फअच्छे से पढ़ा बल्कि उसका पढ़ने का तरीका भी अच्छा था। जबकि यह महज़ पांचवी जमात पास है। उसके द्वारा बेहिचक जांच एजेंसी के सवालों के जवाब देने और उसका हाई कान्फिडेंट लेवल देख सब सकते में है कि ऐसा जवाब और कान्फिडेंट तो किसी ट्रेंड इंसान या किसी के पीछे बड़ी ताक़त वालों का ही हो सकता है।

मेस कर्मचारी के हमले में वायुसेना की महिला अधिकारी घायल

चंडीगढ़ (भाषा)। पंजाब के पठानकोट जिले में एक मेस कर्मचारी के हमले में भारतीय वायुसेना की एक महिला अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी शुक्रवार रात को महिला अधिकारी, जो एक स्क्वॉड्रन लीडर हैं, के घर में लूटपाट के इरादे से घुसा। पठानकोट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरकमलप्रीत सिंह खख ने बताया कि उस समय अधिकारी सोई हुई थीं, लेकिन आवाज सुनकर उनकी नींद खुल गई। उन्होंने बताया कि अधिकारी ने मेस कर्मचारी को रोकने की कोशिश की लेकिन उसने चाकू से कई वार करके अधिकारी को घायल कर दिया। उन्होंने कहा कि आरोपी की पहचान मक्खन सिंह के रूप में की गई है और उसे सीसीटीवी फुटेज की मदद से गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुंबई पुलिस को 26/11 जैसे हमले की धमकी

मुंबई (भाषा)। मुंबई पुलिस ने पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर के अपने वतन नहीं लौटने पर भारत में 26 नवम्बर 2008 की तरह आतंकवादी हमला किए जाने की धमकी देने के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि यातायात नियंत्रण कक्ष को एक अज्ञात व्यक्ति ने पिछले सप्ताह फोन कर धमकी दी थी कि अगर सीमा हैदर अपने वतन नहीं लौटी, तो मुंबई के 26 नवम्बर 2008 के आतंकवादी हमले जैसा हमला भारत में किया जाएगा। उसने कहा था कि इस हमले के लिए उत्तर प्रदेश सरकार जिम्मेदार होगी। अधिकारी ने बताया कि फोन करने वाला व्यक्ति उर्दू में बात कर रहा था। उन्होंने बताया कि मुंबई पुलिस ने धमकी भरे इस फोन कॉल को लेकर जांच शुरू की।

संक्षिप्त खबरें

हैप्पिएस्ट ने पूंजी जुटाई

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी हैप्पिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज ने मंगलवार को कहा कि उसने इक्विटी शेयरों के योग्य संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिए 500 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने कहा कि निदेशक मंडल की पूंजी जुटाने वाली समिति ने योग्य निवेशकों को दो रुपए अंकित मूल्य के 54.11 लाख इक्विटी शेयर जारी करने की मंजूरी दी है। आवंटन 924 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर किया जाएगा। कंपनी ने 2020 में अपना आईपीओ लाने के बाद पहली बार इक्विटी पूंजी जुटाई है। कंपनी के एमडी वी. नारायणन ने कहा कि इस पूंजी से आने वाले वर्षों में व्यवसाय को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

वेलस्पन ने एक हजार करोड़ जुटाए

मुंबई। वेलस्पन वन लॉजिस्टिक पार्क (डब्ल्यूओएलपी) ने मंगलवार को कहा कि उसने 1,000 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने अपने दूसरे गोदाम पर आधारित फंड के चार महीने के भीतर यह राशि जुटाई। कंपनी ने 'ग्रीन शू' विकल्प के जरिए अतिरिक्त एक हजार करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा भी की। डब्ल्यूओएलपी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, 'ग्रीन शू' विकल्प के इस्तेमाल से संभावित कोष 2,000 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अंशुल सिंघल ने कहा, 'निवेशकों के अटूट विश्वास के लिए हम आभारी हैं, जिससे कोष जुटाने के लिए दूसरा दौर सफल हो सका।'

टॉपरैंकर्स का अच्छा प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारत के जाने-माने डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म टापरैंकर्स ने एक और कामयाबी हासिल की है। हाल ही में घोषित सीयूईटी-यूजी परीक्षा में टापरैंकर्स के कई छात्रों ने 100 परसेंटाइल का परफेक्ट स्कोर बनाया है। टापरैंकर्स का ब्रांड सुपरग्रेड्स छात्रों को मैनेजमेंट और यूनिवर्सिटी की प्रवेश परीक्षाओं के लिए तैयार कराता है। जहां कई छात्रों ने शानदार स्कोर हासिल किया है। टॉपरैंकर्स के सीईओ एवं सह-संस्थापक गौरव गोयल ने कहा, 'सीयूईटी यूजी 2023 परीक्षा में हमारे छात्रों के बेहतरीन परफोर्मेन्स से हम बेहद खुश हैं।

ओयो ने उतारा प्रीमियम ब्रांड

नई दिल्ली। आतिथ्य क्षेत्र से जुड़ी कंपनी ओयो ने मंगलवार को अपने नए ब्रांड 'पैलेट' की शुरुआत करने के साथ ही प्रीमियम रिजॉर्ट व होटल श्रेणी में उतरने की घोषणा की। इसके तहत कंपनी की योजना चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही तक ऐसी कुल 50 संपत्तियों को जोड़ने की योजना है। ओयो की ओर से जारी बयान के अनुसार, कंपनी ने जयपुर, हैदराबाद, दीघा, मुंबई, चेन्नई, मानेसर और बेंगलुरु में शुरुआत में 10 'पैलेट' रिजार्ट शुरू किए हैं। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही तक ओयो अपने मंच पर 40 और 'पैलेट' रिजार्ट जोड़ेगी।

पीरामल को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। पीरामल फार्मा को शेयरों के राइट निर्गम के जरिए 1,050 करोड़ रुपए तक जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिली है। कंपनी ने इसके लिए मार्च में नियामक के पास आवेदन किया था और उसे 12 जुलाई को इसके लिए मंजूरी मिली। सेबी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मसौदा दस्तावेज के अनुसार पिरामल फार्मा 1,050 करोड़ रुपए तक की राशि जुटाने के लिए अपने मौजूदा पात्र शेयरधारकों को राइट निर्गम के जरिए इक्विटी शेयर जारी करेगी। निर्गम से मिली राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और सामान्य कारपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।(एजेंसी)

भारत दुनिया का तीसरा सबसे तेजी से बढ़ने वाला विमानन बाजार

■ भारत के विमानन बाजार में मौजूद हैं अपार संभावनाएं ■ बढ़ता मध्यम वर्ग व युवा आबादी इस बाजार को देंगे पंख

कोलंबो (भाषा)।

भारत के विमानन बाजार में 'विशाल क्षमता' है, जिसका पूरी तरह दोहन अभी नहीं हो सका है। उद्योग के शीर्ष विशेषज्ञों ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग और अधिक यात्रा करने वाली युवा आबादी इसके विकास में योगदान देगी।

एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक और रूपांतरण अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा कि हवाईअड्डों के निजीकरण से विमानन क्षेत्र को बढ़ावा मिल रहा है और भारत में नए तथा मौजूदा हवाईअड्डों में भारी निवेश हो रहा है।

हाल में कोलंबो में आयोजित भारतीय ट्रैवल कांग्रेस में 2023 में अग्रवाल के अलावा इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर अल्बर्स, श्रीलंकन एयरलाइंस के सीईओ रिचर्ड न्यूटॉल और भारत में इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के कंट्री निदेशक अमिताभ खोसला शामिल हुए। इस कार्यक्रम को श्रीलंका में आयोजित करने का मकसद नकदी संकट से जूझ रहे देश में पर्यटन को बढ़ावा देना था। उद्योग विशेषज्ञों ने इस बात पर सहमति जताई कि विमानन क्षेत्र में वृद्धि से पर्यटन में भी वृद्धि होगी।

अग्रवाल ने कहा, 'हम विमानन उद्योग की दीर्घकालिक संभावनाओं को लेकर बेहद उत्साहित हैं। भारतीय विमानन क्षेत्र दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा और तेजी से बढ़ने वाला बाजार है, जो पिछले दशक में लगभग 10 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। यह आंकड़ा वैश्विक औसत का लगभग ढाई गुना है।'

भारत, अमेरिका ने व्यापार से जुड़े छह विवादों का समाधान किया

नई दिल्ली (भाषा)। भारत और अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को सूचित किया है कि उन्होंने व्यापार से जुड़े सभी छह विवादों का समाधान कर लिया है। दोनों देशों ने पिछले महीने विवादों के समाधान को लेकर प्रतिबद्धता जतायी थी और यह कदम उसी के अनुरूप है। डब्ल्यूटीओ पहले ही छह मामलों में से एक के समाधान को लेकर 17 जुलाई को सूचना जारी कर चुका है। बाकी पांच के लिये भी अधिसूचना मंगलवार को जारी कर दी गयी। इसके साथ, व्यापार से संबंधित सभी छह विवादों का समाधान कर लिया गया है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पूरी तरह गलत : अडाणी

■ समूह को बदनाम करने के लिए पेश की गई रिपोर्ट

नई दिल्ली (भाषा)।

अरबपति कारोबारी गौतम अडाणी ने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट गलत है और इसमें दुर्भावना के चलते समूह को बदनाम करने के लिए आरोप लगाए गए थे।

उन्होंने मातृभूमि भारत की वृद्धि संभावनाओं और अपने व्यापारिक साम्राज्य के लिए इसके महत्व का जिक्र भी किया। अडाणी ने शेयरधारकों की वार्षिक बैठक में कहा कि इस साल गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर अमेरिकी शार्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने रिपोर्ट उस समय प्रकाशित की, जब समूह भारत के इतिहास में सबसे बड़े अनुवर्ती सार्वजनिक पेशकश (एफपीओ) की योजना बना रहा था। उन्होंने कहा कि समूह की संपत्ति और परिचालन नकदी प्रवाह मजबूत है और उनका समूह अपने कारपोरेट प्रशासन तथा प्रकटीकरण मानकों को पूरा करने के लिए आश्वस्त है। उन्होंने कहा, 'रिपोर्ट गलत सूचना और बेबुनियाद आरोपों को मिलाकर तैयार की गई थी, जिनमें से ज्यादातर आरोप 2004 से 2015 तक के थे।' अडाणी ने कहा, 'उन सभी आरोपों का निपटारा उस समय उपयुक्त अधिकारियों ने किया था। यह रिपोर्ट जानबूझकर और दुर्भावना के साथ तैयार की गई थी, जिसका मकसद हमारी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना और हमारे शेयरों की कीमतों में अल्पकालिक गिरावट से मुनाफा कमाना था।' इस रिपोर्ट के बाद भी समूह के एफपीओ को पूरा अभिदान मिल गया था, लेकिन निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए उनका धन वापस करने का फैसला किया गया।

उन्होंने कहा, 'हमने तुरंत इसका एक व्यापक खंडन जारी किया, लेकिन निहित स्वार्थों के चलते कुछ लोगों ने शॉर्ट-सेलर के दावों से फायदा उठाने की कोशिश की। इन्होंने विभिन्न समाचारों और सोशल मीडिया मंचों पर झूठी कहानियों को बढ़ावा दिया।'

चीन के अपने समकक्ष से मिलीं वित्त मंत्री निर्मला

गांधीनगर (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चीन के अपने समकक्ष लियू कुन से मंगलवार को मुलाकात की और भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत किए जा सकने वाले कार्यों पर चर्चा की।

दोनों नेताओं ने बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) को मजबूत करने तथा वैश्विक ऋण संबंधी समस्याओं से निपटने के तरीकों पर भी चर्चा की। जी20 के वित्त मंत्रियों व केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की तीसरी बैठक से इतर यहां दोनों मंत्रियों ने यहां मुलाकात की और अपनी अर्थव्यवस्थाओं, मुद्रास्फीति, व्यापार की स्थिति पर चर्चा की तथा आर्थिक वृद्धि व विकास के लिए एक बेहतर कारोबारी वातावरण बनाने पर जोर दिया।

वित्त मंत्रालय ने ट्वीट किया कि मंत्री लियू कुन ने जी20 में भारत के नेतृत्व की सराहना की और कहा कि अभी तक इसमें काफी कुछ हासिल किया गया है। मंत्रालय ने ट्वीट किया, 'जी20 में भारत की अध्यक्षता के तहत किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यों पर बात की, जिसमें एमडीबी को मजबूत करना, वैश्विक ऋण संबंधी समस्याओं से निपटना और जीपीएफआई (वित्तीय समावेशन के लिए वैश्विक साझेदारी) शामिल है। मंत्री लियू कुन ने भारत की जी20 अध्यक्षता में एमडीबी को मजबूत करने के लिए जी20 स्वतंत्र विशेषज्ञ समूह की भूमिका की भी सराहना की।'

वीडियोकॉन संस्थापक धूत के बैंक खातों की कुर्की के आदेश

■ म्यूचुअल फंड में जमा राशि और डीमैट खातों की भी कुर्की के आदेश

नई दिल्ली (भाषा)।

बाजार नियामक सेबी ने वीडियोकॉन समूह के संस्थापक वेणुगोपाल धूत के बैंक और डीमैट खातों के साथ म्यूचुअल फंड में जमा राशि कुर्क करने का आदेश दिया है। यह आदेश कुल 5.16 लाख रुपए बकाया की वसूली के लिए दिया गया है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने धूत के ऊपर मार्च में जुर्माना लगाया था। यह जुर्माना सुप्रीम एनर्जी में जुड़े हित के साथ कुछ लेन-देन के संदर्भ में क्वालिटी टेक्नो एडवाइजर्स प्राइवेट लि. और क्रेडेन्शियल फाइनेंस लि. के आपस में जुड़े होने के बारे में खुलासा नहीं करने को लेकर लगाया गया था। सेबी ने सोमवार को जारी कुर्की नोटिस में कहा कि धूत के ऊपर 5.16 लाख करोड़ रुपये का जुर्माना बकाया है। इसमें पांच लाख रुपए के जुर्माने के साथ 15,000 रुपये ब्याज तथा 1,000 रुपए वसूली लागत है।

■ ₹5.16 लाख की वसूली के लिए हुए ये आदेश
■ धूत पर मार्च में लगाया गया था यह जुर्माना
■ धूत ने तब से अब तक नहीं दिया था जुर्माना

नियामक ने बकाया वसूलने के लिए सभी बैंकों, डिपाजिटरी सीडीएसएल और एनएसडीएल और म्यूचुअल फंड से कहा कि वे धूत के खातों से किसी भी तरह की निकासी की अनुमति न दें। हालांकि, उसमें राशि जमा करने की अनुमति होगी।

इसके अलावा सेबी ने बैंकों को लॉकर सहित सभी खातों को कुर्क करने का निर्देश दिया है। सेबी ने धूत के ऊपर मार्च में पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। यह जुर्माना सुप्रीम एनर्जी प्राइवेट लि. (एसईपीएल) को कंपनी की तरफ से कर्ज देते समय उसमें (सुप्रीम एनर्जी) 99.9 प्रतिशत हिस्सेदारी के बारे में जानकारी नहीं देने को लेकर लगाया गया था।

इसके अलावा धूत ने क्वालिटी टेक्नो एडवाइजर्स प्राइवेट लि. और क्रेडेन्शियल फाइनेंस लि. में अपने हित के बारे में भी खुलासा नहीं किया था। नियामक ने कंपनियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि रोक की अवधि के दौरान वेणुगोपाल अपने बैंक व म्यूचुअल फंड से जुड़े खातों से किसी भी प्रकार धनराशि का विड्रॉल नहीं करें।

घटेगी भारतीय उद्योग की राजस्व वृद्धि

■ अप्रैल से जून की तिमाही में आएगी छह से आठ फीसद की गिरावट

मुंबई (भाषा)।

भारतीय उद्योग जगत की राजस्व वृद्धि अप्रैल-जून तिमाही में घटकर 6-8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक इकाई ने मंगलवार को कहा कि यह लगातार चौथी तिमाही है जब राजस्व के आंकड़ों में कमी होगी।

■ लगातार चौथी तिमाही में कम होंगे राजस्व के आंकड़े
■ इस दौरान बढ़ सकती है कंपनियों की लाभप्रदता
■ जिंस की कीमतें घटने से लाभप्रदता में होगा इजाफा

क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स ने एक टिप्पणी में हालांकि कहा कि भारतीय कंपनियों की लाभप्रदता इस दौरान सालाना आधार पर 19.6 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, जिंस कीमतों में कमी के कारण लाभप्रदता बढ़ेगी। रिपोर्ट में कहा गया कि कम प्राप्तियों और ऊंचे आधार प्रभाव के कारण राजस्व वृद्धि की दर में नरमी का अनुमान है।

रिपोर्ट में 47 क्षेत्रों की 300 कंपनियों का विश्लेषण किया गया। इसके मुताबिक, 14 क्षेत्रों में राजस्व घटने का अनुमान है, जबकि 15 क्षेत्र धीमी क्रमिक वृद्धि दर्ज कर सकते हैं।

क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स के संयुक्त निदेशक सेहुल भट्ट ने कहा कि पहली तिमाही में कच्चे तेल की कीमतों में 33 प्रतिशत की गिरावट से लाभप्रदता बढ़ेगी।

बिजली संयंत्रों में कोयला स्टॉक 28% बढ़कर पहुंचा 33 मिलियन टन के पार

नई दिल्ली। देश के ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले का स्टॉक इस वर्ष 28 प्रतिशत बढ़ कर 33 मिलियन टन के पार पहुंच गया है। कोयला मंत्रालय के अनुसार, देश के बिजली घरों में कोयला पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और वर्षा के कारण कोयला उत्पादन व आवाजाही पर असर के बावजूद किसी भी बिजलीघर में कोयले के स्टॉक की कमी नहीं है। कोयला मंत्रालय के अनुसार 16 जुलाई तक, ताप विद्युत संयंत्रों का कोयला स्टॉक 33.46 मिलियन टन (एमटी) था, जो पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 28% अधिक है।

आवास क्षेत्र में संस्थागत निवेश पांच गुना हुआ

नई दिल्ली (भाषा)।

■ जनवरी से जून के दौरान 95 फीसद बढ़कर 35 करोड़ डालर से ज्यादा हुआ
■ इस बढ़ोतरी में घरेलू निवेश का रहा अहम योगदान
■ संस्थागत निवेशकों में पारिवारिक कार्यालय, विदेशी कारपोरेट समूह, विदेशी बैंक, पेंशन कोष, निजी इक्विटी व सावरेन संपदा कोष शामिल

आवास क्षेत्र में संस्थागत निवेश इस साल जनवरी-जून के दौरान लगभग पांच गुना होकर 43.34 करोड़ डालर पर पहुंच गया है। कोलियर्स इंडिया के अनुसार इस दौरान आवास, औद्योगिक और भंडारगृहों में निवेश 95 प्रतिशत बढ़कर 35.02 करोड़ डालर पर पहुंच गया।

आवास, औद्योगिक और भंडारगृह में निवेश एक साल पहले की समान अवधि में क्रमशः 8.94 करोड़ डालर और 17.98 करोड़ डालर रहा था। संस्थागत निवेश में पारिवारिक कार्यालय, विदेशी कारपोरेट समूह, विदेशी बैंक, पेंशन कोष, निजी इक्विटी, रियल एस्टेट फंड एवं डेवलपर, विदेश से वित्त पोषित एनबीएफसी और सॉवरेन संपदा कोष शामिल हैं।

वर्ष 2023 की पहली छमाही में निवेश में हुई उल्लेखनीय वृद्धि में घरेलू क्षेत्र का विशेष योगदान रहा। संपत्ति सलाहकार ने कहा कि घरेलू खपत में बढ़ोतरी और विनिर्माण एवं गोदाम क्षेत्र की अच्छी मांग के कारण इस क्षेत्र में निवेश की रफ्तार बनी रहने की उम्मीद है।

यहां पर एक बात उल्लेखनीय है कि बैंक कर्ज महंगा होने के बावजूद रियल एस्टेट क्षेत्र में मांग पर कोई असर नहीं है।

सेंसेक्स ने पहली बार पार किया 67000 का आंकड़ा

■ 67007 का स्तर छूने के बाद कारोबार की समाप्ति पर 66795 अंक पर हुआ बंद

मुंबई (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला मंगलवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में भी जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 205 अंक से अधिक चढ़कर एक बार फिर नए शिखर पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने और अमेरिका तथा यूरोपीय बाजारों में सकारात्मक रुख के साथ बाजार में तेजी रही।

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस में अच्छी लिवाली से भी बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 205.21 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ अब तक के उच्चतम स्तर 66,795.14 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान मानक सूचकांक 417.09 अंक उछलकर 67,007.02 अंक तक चला गया था। यह पहला मौका है जब कारोबार के दौरान सेंसेक्स 67,000 अंक के पार गया है। नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 37.80 अंक यानी 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ नए रिकार्ड स्तर 19,749.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान मानक सूचकांक 108 अंक की बढ़त के साथ नई ऊंचाई 19,819.45 अंक तक चला गया था।

सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस सबसे ज्यादा 3.67 प्रतिशत चढ़ा। इसके अलावा एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से लाभ में रहें। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, टाइटन, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स और अल्ट्राटेक सीमेंट शामिल हैं।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'तेजड़िये लगातार बाजार को गति दे रहे हैं। लेकिन शेयरों के दाम ऊंचे होने को लेकर चिंता के बीच उतार-चढ़ाव देखने को मिला। डालर सूचकांक में तेजी से गिरावट और अमेरिका में 10 साल के बान्ड पर प्रतिफल कम होने से उभरते बाजारों में नकदी का प्रवाह हो रहा है। चीन में आर्थिक वृद्धि संतोषजनक नहीं रहने और अमेरिकी बाजार के परिदृश्य में सुधार निवेशकों को भारतीय बाजार के प्रति आकर्षित कर रहा है।' वैश्विक स्तर पर एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की लाभ में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कंपोजिट नुकसान में रहे।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को सकारात्मक दायरे में रहे थे।

भारतीय मूल की उद्यमी अंजलि सूद 'टूबी' की नई सीईओ

न्यूयार्क (भाषा)। भारतीय मूल की उद्यमी अंजलि सूद 'टूबी' की नई सीईओ होंगी। वह इस पद पर कंपनी के संस्थापक एवं वर्तमान सीईओ फरहाद मसूदी की जगह लेंगी। टूबी 'फॉक्स कॉरपोरेशन' की स्ट्रीमिंग टेलीविजन सेवा है, जिसपर उपलब्ध सामग्री को लोग निःशुल्क देख सकते हैं, लेकिन इसपर विज्ञापन आते हैं।

IPO के लिए जल्दी नहीं कंपनी के पास पर्याप्त पूंजी

■ बोट के सह संस्थापक अमन गुप्ता ने किया आश्वस्त

नई दिल्ली (भाषा)। ईयरफोन व हेडफोन बनाने वाली कंपनी बोट को 'सूचीबद्धता' के लिए जल्दी नहीं है। कंपनी पूर्व में अपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की योजना को टाल चुकी है। बोट के सह-संस्थापक अमन गुप्ता ने कहा कि आईपीओ को लेकर हमें कोई 'जल्दबाजी' नहीं है और इसे अगले वित्त वर्ष 2024-25 या 2025-26 में लाया जा सकता है। गुप्ता ने यह भी कहा कि भारत विनिर्माण के लिए एक आकर्षक स्थल बन गया है।

गुप्ता ने एक साक्षात्कार में कहा कि उनके स्टार्टअप के पास अभी पर्याप्त पूंजी है। गुप्ता ने कहा कि एक समय था जब स्टार्टअप के लिए आईपीओ लाने का 'फैशन' नहीं था। उसके बाद बाजार में काफी उतार-चढाव की स्थिति बन गई थी। उन्होंने कहा, '' हमें अभी आईपीओ की जरूरत नहीं है। हम यह कुछ साल बाद कर सकते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 या वित्त वर्ष 2025-26 में ऐसा किया जा सकता है.. हमें कोई जल्दबाजी नहीं है।' गुप्ता ने कहा, 'यकीनन इस साल हम ऐसा नहीं करने वाले।'

15 कंपनियों की संपत्तियों की नीलामी 21 अगस्त को

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड गैरकानूनी तरीके से निवेशकों से जुटाई गई राशि की वसूली के लिए 21 अगस्त को 15 संपत्तियों की नीलामी करेगा। सेबी ने मंगलवार को जारी एक सार्वजनिक नोटिस में यह जानकारी दी।

इन संपत्तियों की नीलामी के लिए 13 करोड़ रुपए का आरक्षित मूल्य रखा गया है। इन संपत्तियों में पश्चिम बंगाल में स्थित जमीनों के अलावा आवासीय इमारत भी शामिल है। सेबी के मुताबिक, सात कंपनियों एवं उनके निदेशकों और प्रवर्तकों से संबद्ध संपत्तियों की 21 अगस्त को ऑनलाइन नीलामी की जाएगी।

15% तक घट सकता है रत्न-आभूषण निर्यात

■ जीजेईपीसी चेयरमैन विपुल शाह ने जताई इसकी आशंका ■ चीन जैसे प्रमुख बाजारों में मांग घटने से आएगी यह गिरावट

नई दिल्ली (भाषा)।

जीजेईपीसी के चेयरमैन विपुल शाह ने कहा कि अमेरिका और चीन जैसे प्रमुख बाजारों में मांग घटने के कारण चालू वित्त वर्ष में रत्न तथा आभूषण निर्यात में 10 से 15 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है।

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में रत्न व आभूषण निर्यात वार्षिक आधार पर 2.48 प्रतिशत बढ़कर 3,00,462.52 करोड़ रुपए (36 अरब डालर से अधिक) हो गया।

जीजेईपीसी चेयरमैन ने एक कार्यक्रम के मौके पर यहां पत्रकारों से कहा कि वाणिज्य मंत्रालय ने 2023-24 में रत्न व आभूषण निर्यात के लिए 42 अरब डालर का लक्ष्य दिया है।

शाह ने कहा, 'रत्न व आभूषणों के प्रमुख बाजार अमेरिका और चीन है और वहां इसकी मांग धीमी हो रही है। बढ़ते ब्याज दर, महंगाई जैसी चिंताओं के बीच उपभोक्ताओं का भरोसा भी कम हो रहा है।'

उन्होंने मार्च में समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए जीजेईपीसी के अनुमान पर कहा, 'हमारा अनुमान है कि कुल मिलाकर हमें रत्न व आभूषण के निर्यात में 10 से 15 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिल सकती है।'

बजरंग और विनेश को एशियाई खेलों में मिला सीधे प्रवेश

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की तदर्थ समिति ने मंगलवार को ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट को एशियाई खेलों में सीधे प्रवेश दिया।

हालांकि, साक्षी मलिक को ऐसी कोई छूट नहीं मिली है। यह निर्णय हालांकि राष्ट्रीय मुख्य कोच की सहमति के बिना लिया गया। डब्ल्यूएफआई की चयन नीति के अनुसार ट्रायल से उसी को छूट मिल सकती है, जिसने मौजूदा चक्र (पिछले एशियाई खेलों से लेकर अब तक) में वर्ल्ड चैंपियनशिप या ओलंपिक में पदक जीते हैं। साक्षी मलिक इस दौरान न तो वर्ल्ड चैंपियनशिप में कोई पदक जीत पाईं और न ही ओलंपिक खेलों में।

वहीं, बजरंग पूनिया ने 2021 में हुए टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, जबकि विनेश फोगाट वर्ल्ड चैंपिनशिप 2022 में कांस्य पदक जीतने में सफल रही थीं। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा नियुक्त तदर्थ समिति ने एक परिपत्र में कहा कि उसने पहले ही पुरुषों की फ्रीस्टाइल 65 किग्रा और महिलाओं की 53 किग्रा में पहलवानों का चयन कर लिया है। इसके बावजूद तीनों शैलियों में से सभी छह वजन श्रेणियों में ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। तदर्थ समिति ने परिपत्र में बजरंग और विनेश का नाम नहीं लिया, लेकिन पैनल के सदस्य अशोक गर्ग ने पुष्टि की कि दोनों पहलवानों को ट्रायल से छूट दी गई है। तदर्थ समिति ने 23 सितंबर को चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों के लिए कुश्ती टीम का चयन करने के लिए ट्रायल से चार दिन पहले यह निर्णय लिया। ग्रीको-रोमन और महिलाओं के फ्रीस्टाइल ट्रायल 22 जुलाई को होने हैं, जबकि पुरुषों के फ्रीस्टाइल ट्रायल 23 जुलाई को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होंगे।

साक्षी को ट्रायल से नहीं मिली छूट

विदेश में तैयारी कर रहे खिलाड़ी

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और बीजेपी सांसद के खिलाफ आंदोलन पर बैठने वाले सभी 6 पहलवान इस वक्त विदेश में तैयारियां कर रहे हैं। बजरंग, जितेंदर, संगीता किर्गिस्तान में हैं, विनेश चौथा रैंकिंग टूर्नामेंट खेलने हंगरी गई हैं और साक्षी मलिक और सत्यव्रत कादियान अमेरिका में तैयारी कर रहे हैं। सूत्र के मुताबिक बजरंग और विनेश को छूट देने का कदम उनके साथी प्रतिस्पर्धियों को पसंद नहीं आया। इन पहलवानों ने अदालत का दरवाजा खटखटाने की चुनौती दी है।

विनेश फोगाट से काफी उम्मीद

एशियाई खेलों में विनेश फोगाट से काफी उम्मीद की जा रही है। वह एशियाई व राष्ट्रमंडल खेलों में गोल्ड मेडल जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला पहलवान हैं। 2019 में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड के लिए नामांकित होने वाली एकमात्र भारतीय पहलवान हैं।

विंबलडन फाइनल में रैकेट तोड़ने के कारण जोकोविच पर लगा जुर्माना

लंदन। 23 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नोवाक जोकोविच पर कार्लोस अल्कारेज के खिलाफ विंबलडन फाइनल के दौरान नेट पोस्ट पर अपना रैकेट तोड़ने के लिए भारी जुर्माना लगाया गया है।

यह घटना रविवार को 20 वर्षीय स्पैनियार्ड के खिलाफ उनकी हार के पांचवें सेट में हुई जब जोकोविच अल्कारेज की सर्विस तोड़ने में असफल रहे और बाद में अपना सर्विस गेम हार गए और लकड़ी के नेट पोल में से एक के खिलाफ अपने रैकेट को जोर से मारकर अपनी निराशा व्यक्त की। अंपायर फर्गस मर्फी ने तुरंत जोकोविच को उनके रैकेट-स्मैशिंग उल्लंघन के कारण कोड उल्लंघन के लिए चेतावनी जारी की। परिणामस्वरूप, सात बार के विंबलडन चैंपियन पर 6,117 पौंड का जुर्माना लगाया गया और यह पैसा उनके 1.175 मिलियन पौंड के उपविजेता चेक से काट लिया जाएगा। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी अल्काराज ने ब्रेक का पूरा फायदा उठाते हुए चार घंटे और 42 मिनट के बाद 1-6 7-6 (8-6) 6-1 3-6 6-4 से जीत हासिल की। ऑल इंग्लैंड क्लब में 20 वर्षीय खिलाड़ी की जीत ने जोकोविच को 24वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से वंचित कर दिया और सेंटर कोर्ट पर उनका अजेय अभियान भी समाप्त हो गया।

वेलब्रॉक और बेक ने विश्व तैराकी में जीते स्वर्ण पदक

फुकुओका। जर्मनी के फ्लोरियन वेलब्रॉक और लियोनी बेक ने विश्व तैराकी चैंपियनशिप में क्रमशः पुरुष और महिला की 5 किमी रेस जीती। दोनों जर्मनों ने खुले पानी में तैराकी में गोल्डन डबल पूरा किया। रविवार को 10 किमी स्पर्धा के विजेता वेलब्रॉक ने 5 किमी में 53 मिनट और 58 सेकंड में जीत हासिल की। इटली के ग्रेगोरियो पाल्ट्रिनिएरी ने 54:02.50 के साथ रजत पदक जीता और उनके हमवतन डोमेनिको एसेरेंजा 54:04.20 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। यह कई ओपन वॉटर स्पर्धाओं में जर्मनी की चौथी जीत है, जब लियोनी बेक ने मंगलवार को अपनी 10 किमी की जीत में महिलाओं का 5 किमी का खिताब जोड़ा। 25 वर्षीय खिलाड़ी, जिसने पहले 2019 ग्वांगजू वर्ल्ड्स में 10 किमी स्पर्धा और पिछले साल बुडापेस्ट में 5 किमी स्पर्धा जीती थी।

एक दशक की सबसे खराब रैंकिंग पर पहुंचीं पीवी सिंधु

कुआला लंपुर। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु खराब फॉर्म से जूझते हुए मंगलवार को पिछले एक दशक में अपनी सबसे निचली विश्व रैंकिंग पर पहुंच गयीं। बीडब्ल्यूएफ की नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु पांच पायदान गिरकर 17वें स्थान पर आ गयी हैं। साल 2016 के बाद से वह शीर्ष-10 से बाहर नहीं गयी थीं।

महिला क्रिकेट: भारत ढूंढेगा स्पिनरों के सवाल का जवाब

मीरपुर। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में बुधवार को हार को टालने के लिए भारतीय महिला टीम के बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ अपने संघर्ष का जवाब ढूंढना होगा। बंगलादेश दौरे के तीन टी20 और एक वनडे मैच में स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों के लिए लगातार मुश्किलें खड़ी की हैं। शुरुआती दो टी20 मुकाबले जीतने के बाद भारत को तीसरे टी20 और फिर पहले वनडे में हार का सामना भी करना पड़ा।

सीरीज में बराबरी करने के इरादे से उतरेगी इंग्लैंड क्रिकेट टीम

एशेज, चौथा टेस्ट: अजेय बढ़त बनाने पर होंगी ऑस्ट्रेलिया की निगाहें

मैनचेस्टर,(एजेंसी)। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच द एशेज सीरीज का चौथा टेस्ट मैच बुधवार से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम 2-1 से आगे चल रही।

ऑस्ट्रेलियाई टीम चौथे टेस्ट को जीतकर सीरीज पर कब्जा करना चाहेगी। वहीं मेजबान इंग्लैंड की नजरें सीरीज हार के संकट को टालकर बराबरी करना चाहेगी। तीसरे टेस्ट में जीत के बावजूद इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में ओली रॉबिन्सन की जगह जेम्स एंडरसन की शामिल किया हैं। इंग्लैंड के जो रूट और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के अलावा बेन स्टोक्स, मार्नस लाबुशेन, जेम्स एंडरसन और मिचेल स्टार्क के प्रदर्शन पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी। ऑस्ट्रेलिया ने बर्मिंघम में खेला गया पहला टेस्ट मैच 2 विकेट से जीता था। इसके बाद लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी कंगारूओं ने 43 रनों से अपने नाम किया। इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में खेले गए तीसरे टेस्ट में मार्क वुड और क्रिस वोक्स के प्रदर्शन की बदौलत 3 विकेट से जीत दर्ज करते हुए मजबूत वापसी की थी। इंग्लैंड को सीरीज में आगे अच्छा प्रदर्शन करना है तो बल्लेबाजी पर ध्यान देना होगा।

पिच रिपोर्ट

ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच पर तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। हालांकि, शुरुआती दो दिन के बाद यहां बल्लेबाजी करना थोड़ा आसान हो जाता है। टॉस जीतने वाली टीम को पहले गेंदबाजी का फैसला करना फायदेमंद होगा। टीमें यहां दूसरी पारी (औसत 270) की तुलना में पहली पारी (औसत 332) में उच्च स्कोर बनाती हैं। हालांकि जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता है, स्पिनरों को फुटमार्क से फायदा होता है, जिससे तीसरी (औसत 225) और चौथी पारी (औसत 168) में स्कोर कम हो जाता है।

टीम में बरकरार रहेंगे मार्श, हेजलवुड को मिल सकती हैं जगह: कोच जस्टिन लैंगर

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कोच जस्टिन लैंगर ने कहा, मुझे लगता है कि मार्श छठे नंबर पर अपना स्थान बरकरार रखेंगे। उन्हें खेल का काफी अनुभव है और जाहिर तौर पर शानदार फॉर्म में भी हैं। इसके अलावा वह गेंद को स्विंग कराने में भी सक्षम हैं। ग्रीन का टीम में जगह बना पाना काफी मुश्किल नजर आ रहा है। टीम में पहले से ही मार्श मौजूद हैं और उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल है। लैंगर ने आगे कहा, हेडिंग्ले में हारने वाली ऑस्ट्रेलिया टीम में फिलहाल एक बदलाव की संभावना नजर आ रही है। स्कॉट बोलैंड की जगह जोश हेजलवुड को खिलाया जाएगा। हमें हेजलवुड से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। बोलैंड ने तीसरा टेस्ट खेला था लेकिन दोनों पारियों में कोई भी विकेट लेने में कामयाब नहीं हुए थे। ऑस्ट्रेलिया के कोच ने कहा, हम मैनचेस्टर में चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर के साथ मैदान में उतरेंगे।

अहम मुकाबले में स्टोक्स पर होंगी इंग्लैंड की निगाहें

चौथा टेस्ट मैच इंग्लैंड क्रिकेट टीम के लिए काफी अहम है क्योंकि अगर यह मैच इंग्लैंड हारती है तो वह सीरीज गंवा बैठेगी। ऐसे में टीम को शानदार फॉर्म में चल रहे कप्तान बेन स्टोक्स से एक बार फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। स्टोक्स ने मौजूदा सीरीज में अब तक 51.50 की औसत से 309 रन बनाए हैं। उनसे आगे सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा (356 रन) हैं। दूसरे टेस्ट की चौथी पारी में स्टोक्स ने 155 रनों की पारी खेली थी।

सात्विक-चिराग दूसरे चरण में पहुंचे

कोरिया ओपन: जोमकोह और केड्रेन की जोड़ी को शिकस्त दी

योसू (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने मंगलवार को यहां कोरिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में थाईलैंड के सुपाक जोमकोह और किटिनुपोंग केड्रेन को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने पहले चरण में जोमकोह और केड्रेन को 21-16, 21-14 से हराया। अगले दौर में उनका मुकाबला चीन की हे जी टिंग और झोउ हाओ डोंग से होगा।

इस बीच, एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की भारतीय जोड़ी पहले चरण में रिटायर होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गयी। भारतीय जोड़ी शुरुआती गेम में चीन के लियू यू चेन और ओउ जुआन यी के खिलाफ 5-6 से पिछड़ी हुई थी जब अर्जुन की पीठ की समस्या के कारण उन्हें मुकाबले से बाहर होना पड़ा। भारत के हर्षित अग्रवाल भी अपने दूसरे क्वालीफिकेशन मैच में कोरिया के चोई प्योंग गैंग से 15-21, 21-10, 10-21 से हारकर मुख्य ड्रॉ में नहीं पहुंच सके। उन्होंने अपने शुरुआती मैच में मलेशिया के तान जिया जी को हराया था। शाश्वत दलाल अपने पहले दौर के मैच में कोरिया के जियोंग मिन सियोन से 14-21, 17-21 से हार गये, जबकि मीराबा मैसनाम ने क्वालीफायर से हटने का फैसला किया।

सात्विक ने बनाया सबसे तेज बैडमिंटन हिट का रिकॉर्ड

सोका। भारतीय शटलर सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने 565 किमी प्रति घंटा के जोरदार स्मैश की बदौलत एक पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी द्वारा मारे गए सबसे तेज शॉट का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सात्विक ने मलेशिया के तान बून-यूंग (493 किमी प्रति घंटा) का एक दशक पुराना रिकॉर्ड तोड़कर यह कीर्तिमान रचा है, जो उन्होंने 2013 में बनाया था। इस बीच, मलेशिया की टैन पर्ली ने 438 किमी प्रति घंटा की उल्लेखनीय गति के साथ सबसे तेज महिला बैडमिंटन हिट का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया। विश्व रिकॉर्ड के लिए प्रयास 14 अप्रैल 2023 को किए गए थे। गिनीज विश्व रिकॉर्ड के अधिकारियों ने उस दिन से गति माप परिणामों को सत्यापित कर नए विश्व रिकॉर्ड धारकों का फैसला किया। सात्विक का स्मैश जापान के सैतामा प्रांत में स्थित सोका में योनेक्स फैक्ट्री जिम्नेजियम में नियंत्रित वातावरण में आयोजित किया गया था। चूंकि सबसे तेज बैडमिंटन हिट के लिए पिछला गिनीज विश्व रिकॉर्ड का खिताब मई 2013 में दर्ज किया गया था, इसका मतलब है कि रंकीरेड्डी ने एक दशक से अधिक समय में पहली बार रिकॉर्ड तोड़ा है।

विक्टोरिया ने राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से वापस खींचे हाथ

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य ने मंगलवार को अत्यधिक खर्च का हवाला देते हुए 2026 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से नाम वापस लेने की घोषणा की। राज्य के प्रमुख डैनियल एंड्रयूज ने संवाददाताओं से कहा कि खेलों को आयोजित करने के लिए शुरुआती अनुमानित खर्च दो अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (1.36 अरब अमेरिकी डॉलर) था, लेकिन अब यह बढ़कर लगभग सात अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर हो गया है।

एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज की लक्ष्मी ने स्पेशल ओलिम्पिक्स में जीता सिल्वर

भोपाल। एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज खजुरी कलां, भोपाल में पली-बढ़ी 21 वर्षीय लक्ष्मी ने बर्लिन में आयोजित स्पेशल ओलिम्पिक्स वर्ल्ड गेम्स में भारतीय बास्केटबॉल टीम की खिलाड़ी के रूप में शानदार प्रदर्शन कर सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

लक्ष्मी बधिर होने के साथ-साथ मानसिक रूप से कमजोर और सेरेबल पाल्सी का भी शिकार है। मगर इन तमाम शारीरिक कमजोरियों के बावजूद उन्होंने प्रदेश का नाम रोशन किया। स्पेशल ओलिम्पिक्स में भाग लेने से पहले लक्ष्मी ने 2022 में पॉन्डिचेरी में आयोजित राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया था। गौरतलब है कि एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज खजुरी कलान तब से लक्ष्मी की देखभाल कर रहा है, जब वह महज पांच साल की थी। शुरुआती दिनों में लक्ष्मी खुद को ठीक से अभिव्यक्त भी नहीं कर पाती थी। और उसे अपनी जरूरतों के बारे में बताने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। जैसे-जैसे समय बीतता गया, लक्ष्मी का खेलों के प्रति आकर्षण बढ़ता चला गया। खेलों के प्रति लक्ष्मी की बढ़ती रूचि को देखते हुए उसे विभिन्न तरह के खेलों से जुड़ी गतिविधियों में शामिल किया। एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुमांता कर ने लक्ष्मी की उपलब्धि पर अपनी खुशी जताते हुए कहा, एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज से ताल्लुक रखने वाले हर शख्स को लक्ष्मी और उसकी अद्भुत उपलब्धि पर नाज है।

दूसरे टेस्ट के लिए सिंक्लेयर विंडीज टीम में शामिल

रेमन रीफर बाहर, रहकीम कॉर्नवाल टीम में बरकरार

पोर्ट ऑफ स्पेन। वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए वामहस्त बल्लेबाज रेमन रीफर की जगह ऑफ स्पिनर केविन सिंक्लेयर को टीम में शामिल किया है।

क्रिकेट वेस्ट इंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। स्पिनर रहकीम कॉर्नवाल को स्क्वॉड में बरकरार रखा गया है, हालांकि पहले टेस्ट में वह बीमारी के कारण तीन सत्रों तक मैदान से बाहर रहे थे। डोमिनिका में खेले गए पहले टेस्ट में भारत ने पहली पारी में 421/5 का स्कोर खड़ा किया था, जबकि वेस्टइंडीज दो पारियों में क्रमशः 150 और 130 रन ही बना सकी थी। रीफर ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए दो और 11 रन का स्कोर बनाया था, जिसके बाद उन्हें टीम से बाहर रखने का फैसला लिया गया। सिंक्लेयर के नाम सात एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 11 विकेट हैं। क्वीन्स पार्क ओवल पर गुरुवार से शुरू होने वाला मैच भारत-वेस्ट इंडीज के बीच 100वां टेस्ट होगा।

वेस्टइंडीज का 13 सदस्यीय स्क्वॉड

क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), एलिक अथानाज, जर्मेन ब्लैकवुड, तेजनारिन चंद्रपॉल, रहकीम कॉर्नवाल, जोशुआ डा सिल्वा, शैनन गेब्रियल, जेसन होल्डर, अल्जारी जोसेफ, कर्क मैकेंजी, केमार रोच, केविन सिंक्लेयर, जोमेल वारिकन।

वर्ल्ड डीफ बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत ने जीता स्वर्ण पदक

मप्र की गौरांशी शर्मा ने भी दिया महत्वपूर्ण योगदान

भोपाल। मप्र की होनहार बैडमिंटन खिलाड़ी गौरांशी शर्मा ने ब्राजील में आयोजित 6वीं वर्ल्ड यूथ बैडमिंटन डीफ चैंपियनशिप में जोरदार प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप में भारत ने टीम इवेंट में देश को स्वर्ण पदक दिलाया। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में जापान को 3-1 से पराजित किया। इससे पहले गौरांशी ने व्यक्तिगत इवेंट में दो कांस्य पदक जीते थे। यह चैंपियनशिप गौरांशी शर्मा के लिए यादगार साबित हुई है। भारतीय बैडमिंटन टीम का इस चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन रहा है। पुरुष डबल्स में भारत के महेश और पीयूष की जोड़ी ने जापान यूकी व मसाकी की जोड़ी पर रोमांचक जीत दर्ज कर 1-0 की बढ़त दिलाई। महिला डबल्स में भारत की जेर्लिन और आदित्या की जोड़ी ने जापान की यूमे और यकाबे की जोड़ी को आसानी से हराकर टीम को 2-0 से आगे किया। पुरुष सिंगल्स में यूया इटो ने भारत के अभिनव शर्मा को हराकर सीरीज को रोमांचक बनाया। अंतिम मुकाबले में अभिनव व आदित्या की जोड़ी ने मिक्सड डबल्स में मासाकी-यूमे की जोड़ी को परास्त किया और भारत को 3-1 से जीत दिलाकर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। गौरांशी को फाइनल मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला। प्रदेश की खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने गौरांशी को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी है।

टेस्ट क्रिकेट श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान ने पहली पारी में बनाए 461 रन

शकील के दोहरे शतक से पाक मजबूत

गाले, (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज सऊद शकील (नाबाद 208 रन) ने दोहरा शतक जड़कर पाकिस्तान को श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में 149 रन की विशालकाय बढ़त दिला दी। श्रीलंका के 312 रनों के जवाब में पाकिस्तान ने ऑलआउट होने से पहले 461 रन बनाए।

तीसरे दिन का खेल खत्म होने से पहले श्रीलंका दूसरी पारी में बिना नुकसान के 14 रन बना चुका है। मदुशंका आठ रन बनाकर जबकि करुणारत्ने छह रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। मैच के दूसरे दिन पाक को 73/4 के स्कोर से बचाने वाले शकील ने तीसरे दिन की शुरुआत 69 रन के स्कोर से की। शकील और उनके जोड़ीदार आगा सलमान (83 रन) के बीच छठे विकेट के लिए 177 रन की साझेदारी हुई। शकील ने 129 गेंद में अपना शतक पूरा किया। सलमान का विकेट गिरने के समय पाकिस्तान 34 रन से पिछड़ा हुआ था, लेकिन पुछल्ले बल्लेबज नौमान अली ने 25 रन, शाहीन अफरीदी नौ रन और नसीम ने 78 गेंदें खेलकर मात्र छह रन ने शकील का बखूबी साथ दिया। पाकिस्तान के आखिरी बल्लेबाज अबरार अहमद ने यहां धैर्य दिखाया और शकील को दोहरे शतक से वंचित नहीं होना पड़ा। शकील ने अंततः 352वीं गेंद पर चौका लगाकर 200 रन का आंकड़ा छुआ। शकील 361 गेंद पर 19 चौकों की सहायता से 208 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि मेंडिस ने अबरार 10 रन के रूप में अपना पांचवां विकेट लेते हुए पाकिस्तान की पारी समाप्त की। मेंडिस के अलावा प्रभात जयसूर्या को तीन जबकि रजिता और फर्नांडो को एक-एक विकेट मिला।

शकील दोहरा शतक लगाने वाले 23वें पाक बल्लेबाज

27 वर्षीय शकील श्रीलंका की सरजमीं पर दोहरा शतक जड़ने वाले पहले पाकिस्तानी प्लेयर बन गए हैं। वह पाकिस्तान के लिए टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले 23वें प्लेयर हैं। शकील फिलहाल छठा टेस्ट खेल रहे हैं। उन्होंने दिसंबर 2022 में सबसे लंबे फॉर्मेट में डेब्यू किया था। पाकिस्तान की ओर से टेस्ट क्रिकेट में नंबर पांच पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में शकील तीसरे पायदान पर आ गए हैं। इस सूची में उनसे आगे यूनिस खान 218 रन, जहीर अब्बास 215 रन हैं। वहीं पाकिस्तान की ओर से कुल नौ बल्लेबाजों ने नंबर पांच पर बैटिंग करते हुए 150 से ज्यादा रन बनाए हैं।

कर्नाटक घूमने का है प्लान तो जरूर घूमें हम्पी शहर, लोटस महल देखे बिना अधूरा है आपका टूर

हमारे देश के मौजूदा पारंपरिक गुणों के साथ कर्नाटक वैश्वीकरण का एक आदर्श भी है। महाराजाओं के मैसूर पैलेस से लेकर बेंगलुरु के आईटी हब तक कर्नाटक में कई अनसुलझे तथ्य हैं। जिन्हें जानकर आप हैरान हो जाएंगे। यहां पर दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। अगर आप पूरा एक महीना भी इस राज्य का दीदार करते हैं, फिर भी आपके पास समय कम पड़ जाएगा। अगर आप इस राज्य में पहले भी घूमने आ चुके हैं, या हाल ही में घूमने का प्लान बना रहे हैं। तो बता दें कि घूमने के लिए हम्पी शहर सबसे बेस्ट ऑप्शन है। लेकिन लोटस महल के दर्शन किए बिना हम्पी का टूर अधूरा माना जाता है। लोटस महल कई मायनों में बेहद खास है। साथ ही इसका इतिहास भी काफी रोचक है। बता दें कि लोटस महल का इतिहास काफी रोचक है। इस

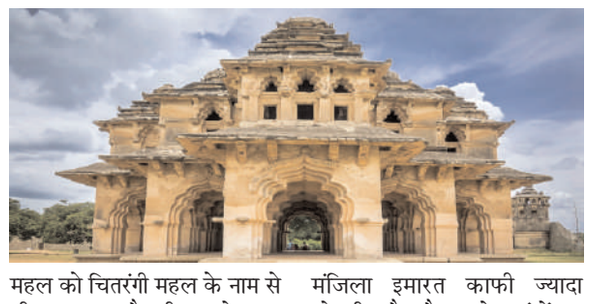

महल को चितरंगी महल के नाम से भी जाना जाता है। श्री कृष्णदेव राय द्वारा रानी के लिए इस महल का निर्माण 16वीं शताब्दी में किया गया था। इसमें रानी के महल के तहखाने, जल मंडप, ट्रेजरी बिल्डिंग और वॉच टॉवर जैसी कई दिलचस्प संरचनाएं देखने को मिलेंगे। हालांकि यह महल किसी भगवान या मूर्ति को समर्पित नहीं है। लोटस महल की संरचना काफी ज्यादा खूबसूरत है। इस महल की तुलना कमल से की गई है। यह दो मंजिला इमारत काफी ज्यादा शोभनीय है और इसके स्तंभों पर विशेष रूप से खूबसूरत बारीक नक्काशी उकेरी गई है। आप इसे इस्लामी वास्तुकला की एक अच्छी मिसाल कह सकते हैं। इस महल का मुंडेर पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। वहीं अगर आप इस महल के इतिहास के बारे में अधिक जानना चाहते हैं, तो आपको इस किले को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। लोटस महल की वास्तुकला बेहद खूबसूरत है। इस महल को एक्सप्लोर करने के साथ ही आप हम्पी की संस्कृति के बारे में जान सकते हैं और यहां के फेमस व्यंजनों का लुत्फ भी उठा सकते हैं। हम्पी शहर अपनी हस्तशिल्प कलाओं के लिए विश्व भर में जाना जाता है। हम्पी में मौजूद सभी महलों में लोटस महल सबसे ज्यादा फेमस है। हालांकि यहां पर आप कभी भी घूमने का प्लान बना सकते हैं। लेकिन अगर आप घूमने के साथ ही मौसम का मजा भी लेना चाहते हैं, तो जुलाई से सितंबर का महीना यहां जाने के लिए बेस्ट है। लोटस महल के अंदर जाने के लिए आपको 50 रुपए टिकट देना होगा। वहीं अगर आपकी उम्र 15 साल से कम है तो आप इस महल में निशुल्क घूम सकते हैं। वहीं विदेशी पर्यटकों को 250 रुपए का टिकट मिलता है।

लोक नाट्य

डा. उग्रसेन कन्नौजे

लोक नाट्य रहस में आकर्षक नागलीला

छत्तीसगढ़ के प्राचीन कवि रेवाराम के गुटका में रहस नाट्य शैली का उल्लेख मिलता है। रहस को यज्ञ कहा जाता है। रहस का यह अदभुत दृश्य छत्तीसगढ़ अंचल में काफी लोकप्रिय है। नागलीला संध्या होती है। इसमें दो दृश्य प्रमुख होते हैं। एक तो गजग्राह युद्ध और विष्णु अवतार कृष्ण द्वारा उद्धार। दूसरा कालिया मर्दन गज और ग्राह कमची (बांस) और रंगीन कागज से बनाए जाते हैं। नाव या कड़ाह में दो ओर से नाविकों द्वारा युद्ध कराया जाता है। अंत में विष्णु तीसरी नाव में जो कि गरुड़ के आकार का आते है और ग्राह को मारकर गज का उद्धार करते हैं। इसका दूसरा रूप या दृश्य अत्यंत रोमांचकारी होता है और कहीं कहीं कलाकार खंभे से कोई तार किसी पेड़ की मजबूत डाल से बांध देते है। और गरुड़ के रूप में वह डोली में कोई बालक कृष्ण के रूप में चक्र और गदा लिए सुशोभित रहता है। गज उद्धार के लिए गरुड़ के आकार की डोली रस्सी के सहारे हवा में चलती है। चारों ओर तालियों की गड़गड़ाहट और जय जयकार होने लगती है। यह प्रदर्शन खतरे से खाली नहीं है। कभी कभी तार में आग भी पकड़ लेती है।

पुस्तक समीक्षा

पुरखा के भुइंया

कृति के नाव
पुरखा के भुइंया

कृतिकार
डा. मणी मनेश्वर 'ध्येय'

समीक्षक
भागवत निषाद

प्रकाशक
वैभव प्रकाशन रायपुर

कीमत
एक सौ पचास रूपए

छत्तीसगढ़ी में लिखे ऐ उपन्यास 'पुरखा के भुइंया' नाव ले ही पता चल जथे, कि ऐ उपन्यास ल अपना पुरखा के भुइयां खातिर लिखे गे हवय। हमन अपन पुरखा के जमीन जायदाद ल कतका संभाल के रखथन अउ वोकर कइसन उपयोग करथन, ऐला अपन ऐ उपन्यास ले लेखक ह बताय के बने परयास करे हवय। हमन अपन जीवन में पुरखा के मान ल ऊंकर जोर धन ल सहेजे के कोसिस करना चाही। हमन येला आगू नी बढ़ा सकन त कमती करने के घलो नी सोचना चाही। अपन पुरखा मन के मान इही म दिखथे। अपन पुरखा के खेती-किसानी म खेती खातिर भुइयां के जतन के सुघ्घर वर्णन ल ये मेर करे हवय।

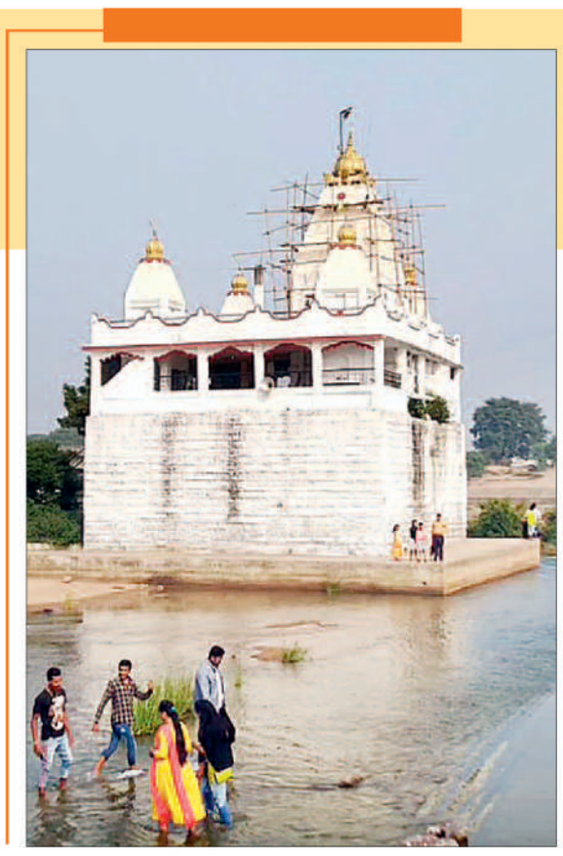

छत्तीसगढ़ के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में खारुन नदी के मैदानी क्षेत्र में गांव टोलाघाट बसा हुआ है। यहां से पाटन की दूरी सात कि मी है। इस गांव में नदी के तट पर अनेक मंदिरों को देखा जा सकता है। इस गांव के एक ओर पाली परसदा है तथा दूसरी ओर दुर्ग जिले का गांव ठकुराइन टोला है। पाली परसदा गांव में निषाद समाज द्वारा भव्य मंदिर का निर्माण किया गया है। यह मंदिर बड़े बड़े शिला खंडों से निर्मित की गई है। खारुन नदी के बीचों बीच शिव मंदिर निर्माण किया गया है। इस मंदिर पर काले पत्थरों को उत्कृष्ट आकार देने के लिए कारीगर बाहर से आए थे। जगती का कार्य 1980 में तथा मंदिर का निर्माण 1984 में पूर्ण हुआ। शिव मंदिर उत्तराभिमुख है। गर्भ गृह में शिवलिंग स्थापित है, जलहरी दक्षिण दिशा में है। यहां के शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के अलावा पूरे सावन मास भक्तों की विशेष भीड़ इस मंदिर में रहती है तथा कांवरिया जल चढ़ाने मंदिर में आते हैं। यह गांव दुर्ग और रायपुर की सीमा को छूती है। नदी के बीच में स्थित होने के कारण बरसात के दिनों में यहां के सुहावने दृश्य को देखने पुल से गुजरने वाले लोग कुछ पल के लिए जरूर रूकते हैं। इस स्थान अनेक देवी-देवताओं के मंदिर होने के कारण वर्ष भर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी यहां होते रहते हैं। इस स्थल पर विशाल मेले का भी आयोजन किया जाता है।

खारुन नदी के मैदानी क्षेत्र में गांव टोलाघाट बसा हुआ है। यहां से पाटन की दूरी सात कि मी है। इस गांव में नदी के तट पर अनेक मंदिरों को देखा जा सकता है। इस गांव के एक ओर पाली परसदा है तथा दूसरी ओर दुर्ग जिले का गांव ठकुराइन टोला है। यहां के शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के अलावा पूरे सावन मास भक्तों की विशेष भीड़ इस मंदिर में रहती है तथा कांवरिया जल चढ़ाने मंदिर में आते हैं। यह गांव दुर्ग और रायपुर की सीमा को छूती है।

धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध टोलाघाट

आस्थाः डा. प्रकाश पतंगीवार

जनता के हित के लिए लड़ते रहे राजा बहादुर

ऐतिहासिक : डा. ऋषिराज पांडेय

सारंगढ़ रियासत में जनता से लिए जाने वाले 'चरी' नामक कर के विरोध में परसाडीह के गौंटिया दानीराम पटेल ने सन 1941 में जंगल सत्याग्रह किया था। इसके साथ ही वारलोन के लिए जनता से लिए जाने वाले चंदे के संबंध में निर्णय करने के लिए एक बड़ी सभा आयोजित की। प्रारंभ में उन्हें रजिस्ट्रेशन आफ एसोसिएशन एक्ट के अंतर्गत गिरफ्तार कर लिया गया, रिहा होने के बाद वे लगे रहे और अपने उद्देश्य में सफल रहे। सन 1939 में कौंसिल आफ एक्शन से सभापति ठाकुर प्यारेलाल सिंह ने सारंगढ़ नरेश को लिखे पत्र में राजा बहादुर का ध्यान प्रजा की दयनीयता मालगुजारों के द्वारा बढ़ाई गई करों का बोझ, कृषकों के मवेशियों की नीलामी आदि समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया। इस समय तक सारंगढ़ रियासत में स्वराज्य संघ व खादी आश्रमों की स्थापना का कार्य तेजी पर था। यद्यपि रियासत में वनों का बाहुल्य था, तथापि कृषकों की निस्तार सुविधाएं अत्यंत सीमित तथा अपर्याप्त थीं। सारंगढ़ रियासत में जनता से लिए जाने वाले 'चरी' नामक कर के विरोध में परसाडीह के गौंटिया दानीराम पटेल ने सन 1941 में जंगल सत्याग्रह किया था। इसके साथ ही वारलोन के लिए जनता से लिए जाने वाले चंदे के संबंध में निर्णय करने के लिए एक बड़ी सभा आयोजित की। प्रारंभ में उन्हें रजिस्ट्रेशन आफ एसोसिएशन एक्ट के अंतर्गत गिरफ्तार कर लिया गया, रिहा होने के बाद वे लगे रहे और अपने उद्देश्य में सफल रहे। संचार साधनों से अवरुद्ध सारंगढ़ रियासत में राजनीतिक सरगर्मी अपेक्षाकृत कम अवश्य थी, किंतु जन जागृति और राजनैतिक चेतना यहां भी विकसित हो चुकी थी, तथा जन नेताओं ने रियासती शासन के विरुद्ध संघर्ष का शंखनाद कर दिया था।

अब दिखाई नहीं देते गायों के गले में टेपरा

चिन्हारीः सत्यप्रकाश महमल्ला

पहले के समय में राऊतों का गायों के प्रति अगाध प्रेम देखा जाता था। चरवाहे जब गायों को चराने ले जाते थे, उस समय उपद्रवी गायों को दंड स्वरूप कुछ न कुछ इंतजाम किए जाते थे। ऐसे इंतजामों में टेपरा भी आता है। नाम के अनुरूप यह पीतल या टीन से बना बड़े घंटे की तरह होता है। टेपरा के बीच में बांस की लकड़ी लगी होती है। जिससे धातु के टकराने से टन... टन... की आवाज आती है। टेपरा का उपयोग भगोड़ी या मनमौजी गायों की प्रवृति को रोकने के लिए किया जाता है। राउतों का गायों के प्रति इतना स्नेह होता है कि वे रंभाते हुई दौड़ते हुए पास आ जाती हैं। राऊत भी मस्त होकर इस समय गाने लगते हैं-

ऐंठी मुर्री पागा बांधे,
ओढ़े मुड़ मा खुमरी।
टेही देवत दौड़त आवे,
गइयंन करी पिंवरी

एक ओर जहां किसान गाय गरू को सजाने संवारने और सेवा में तत्पर रहता है तो दूसरी ओर उसकी मनमानी देखकर वह दुखी भी होता है। किसान उससे पुत्र वात स्नेह भी करता है आवश्यकता पड़ने पर उन्हें दंड भी देता है। उपद्रवी पशुवों को दंडित करने के नित नए उपाय भी खोज निकालता है।

क्षेत्र विशेष में बोली जाती है खदरी कोरबा

लोक साहित्य : डा. दयाशंकर शुक्ल

उत्तर पूर्वी छत्तीसगढ़ की अनार्य जातियों ने अपनी भाषाओं को छोड़कर पड़ोस की आर्य भाषाओं को अपना लिया है। इसे वे डिकूकाजी अथवा डीकू (आर्य भाषा भाषियों की) बोली कहते हैं। सदरी से तात्पर्य यह है कि उन लोगों की बोली है, जो इधर बस गए हैं। उत्तरी भारत में प्रयुक्त फारसी -अरबी के सदर-मुकाम शब्द से यह शब्द ग्रहण किया गया है। छत्तीसगढ़ी का यह विकृत रूप सदरी कोरबा कहलाता है। कोरबा एक जाति है जो विशेष रूप से सरगुजा पाला मऊ सोनपर तथा बिलासपुर और रायगढ़ जिलों में बस्ती है। जशपुर (रायगढ़) के लगभग हजारों की संख्या में कोरबा सदरी कोरबा बोली बोलते हैं। इसमें सरगुजिया से अधिक साम्य है । इसकी एक ही विशेषता है और वह है भूतकालिक क्रिया में ने का प्रयोग। यथा आइसने आया... होइसने हुआ...।

खानपान

टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'

सस्ता अउ स्वाद वाले होथे घुगरी

सागपान म एक ठन सरल-सहज, सस्ता अउ स्वादिष्ट साग आय हमर घुगरी। छत्तीसगढ़ के ओन्हारी फसल लाख-लाखड़ी, मूंग, उरिद, बटरा, चना, मसूर, कुल्थी जइसे दलहन फसल के सुक्खा बीजा ल राधे जाये वाले साग आय घुगरी हा। घुगरी साग माटी के बरतन कनौजी या पतलोई या फेर कउनो धातु बरतन म जरूरत मुताबिक पानी अउ अपन सुवाद अनुसार नून डार के रांधे जाथे। रतिहा चुल्हा के कम आगी म पाछू डाहर राख के रांधे ले ये बिहनिया के होवत ले मस्त बढ़िया खूम-खूम ले चूरथे।

हमर छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति बड़ गजब अउ बेमिसाल हे। सागपान म एक ठन सरल-सहज, सस्ता अउ स्वादिष्ट साग आय हमर घुगरी। छत्तीसगढ़ के ओन्हारी फसल लाख-लाखड़ी, मूंग, उरिद, बटरा, चना, मसूर, कुल्थी जइसे दलहन फसल के सुक्खा बीजा ल राधे जाये वाले साग आय घुगरी हा। घुगरी साग माटी के बरतन कनौजी या पतलोई या फेर कउनो धातु बरतन म जरूरत मुताबिक पानी अउ अपन सुवाद अनुसार नून डार के रांधे जाथे। रतिहा चुल्हा के कम आगी म पाछू डाहर राख के रांधे ले ये बिहनिया के होवत ले मस्त बढ़िया खूम-खूम ले चूरथे। वइसे तो येला कउनो समय रांधे-गढ़े जा सकत हे, फेर रतिहा के रांधे घुगरी साग के मजा अलग होथे। येला चुरत खानी चम्मच म खोय बर परथे। आजकल घुगरी ल चुरे के बाद तेल म सुक्खा मिरचा-लसुन के फोरन डारके भूंज-बघार देय जाथे, जेकर ले येकर अउ सुवाद बढ़ जाथे। येला न सिरिफ आरुग सुक्खा; भलुक थोरिक रसोटा (रसवाला) घलोक बनाय जाथे। येला सउगे ठाढ़ मिरचा या फेर मिरचा-लसुन के चटनी संग घलो खाय जाथे। भात अउ बासी दूनो संग घुगरी साग मजा आथे। घुगरी म सुवाद संग विटामिन-प्रोटीन जइसे पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा म पाए जाथे। पाचुक संग अमीर-गरीब सबके साग आय। हमर नवा अउ अवइय्या पीढ़ी बर घुगरी साग के उपयोगिता अउ महत्व ल जानना-समझना घलो जरूरी हे।

रामनगर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों का एक प्रतिनिधिमंडल सपरिवार उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के साथ विधानसभा में की मुलाकात

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रामनगर औद्योगिक एसोसिएशन के अध्यक्ष देव भट्टाचार्य के नेतृत्व में रामनगर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों का एक प्रतिनिधिमंडल सपरिवार उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के साथ विधानसभा में मुलाकात किया` जिसमें विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले छह सात वर्षो में यू0पी0 तथा 2014 के बाद राजनीति के प्रति आम जनमानस की सोच में बदलाव आया है इससे पहले राजनीति क्षेत्र से जुडे.लोगों के प्रति नकारात्मक सोच हुआ करती थी लेकिन अब राजनीति के प्रति आम जनमानस में बदलाव दिखने लगा है` अब राजनीति के क्षेत्र से जुडे.लोगों को सम्मान की दृष्टि से देखा जाने लगा है विधान भवन के राजर्षि पुरुषोत्म दास टण्डन हाल में वाराणसी एवं चंदौली से भ्रमण पर आये उद्योग क्षेत्र से जुड़े परिवारों से शिष्टाचार भेंट करते हुए विधान सभा अध्यक्ष

सतीश महाना ने कहा कि देश संविधान से चलता है और संविधान में विधायिका कार्यपालिका और न्यायपालिका का अपना महत्व है` विधायिका में आम लोगों की रक्षा करना तथा उनके लिए कानून बनाना और जनहित की रक्षा करना होता है उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने एक से एक बेहतरीन काम किए हैं जिसके कारण विधायिका का महत्व और बढ़ा है` श्री महाना ने कहा कि अब यूपी विधानसभा में ई विधान लागू हो चुका है जिसके तहत अब पूरी विधानसभा पेपरलेस विधानसभा हो चुकी है इसके साथ विधानसभा में डॉक्टर ,एम0डी0, एम0एस0, एम0टेक, बी0टेक, एम0सी0ए0, बी0सी0ए0 है मैनेजमेन्ट, पी0एच0डी0, लॉ ग्रेजुएट है महिला विधायक तथा युवा विधायकों के साथ अलग- अलग ग्रुप्स बनाकर बैठकें किया इन बैठकों में विधायकों से कहा कि आप लोग अपनी प्रतिभा का उपयोग जनहित के कामों में कीजिए उनको यह भी बताया कि बार बार चुनाव कैसे जीता जाता है इसका भी प्रयास कीजिए` श्री महाना ने बताया कि विधानसभा के अब तक चार सत्र आयोजित किए जा चुके हैं इसमें केवल एक दिन 36 मिनट का सदन स्थगित हुआ है` श्री महाना ने आए हुए उद्यमियों को बताया कि विधानसभा में जनता की समस्याओं को विधायक कैसे उठाते हैं इसके साथ हर सम्बन्धित विभाग की अलग-अलग कमेटियां होती है हर कमेटी के सदस्य होते है` विधानसभा के सत्र के बाद कमेटियों की बैठक होती है विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधायिका अपना काम करती है और कार्यपालिका अपना काम करती है` श्री महाना ने कहा कि पहले विधानसभा के बारे में लोगों को जानकारी नहीं थी बस एक भवन के रूप में इसकी पहचान थी लेकिन अब आम लोग यहां आते हैं और इसके बारे में जानकारी हासिल कर रहे है श्री महाना ने कहा कि उ0प्र0 की विधानसभा सिर्फ 403 सदस्यों की नहीं, बल्कि 25 करोड़ जनता की विधानसभा है उन्होंने कहा कि विधानसभा के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण मनोयोग और जिम्मेदारी से कार्य करते हैं और यहां हम सभी एक परिवार के रूप में रहते हैं` इस मौके पर रामनगर औद्योगिक एसोसिएशन के महामंत्री सतीश गुप्ता, पंकज बिजलानी कोषाध्यक्ष, अशोक सुलतानिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राकेश जायसवाल सचिव, राजेश जायसवाल सह सचिव,अजय राय, शिव पूजन जायसवाल सह सचिव अनूप साहू, आशीष गुप्ता, अमित गुप्ता आदि मुख्य तौर पर उपस्थिति थें` इस अवसर पर विधान सभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

गाजीपुर जिले के हथियाराम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बुढ़िया माता के दरबार में पूजन के बाद टेका मत्था

प्रखर हथियाराम गाजीपुर। जिले के हथियाराम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत जी का आगमन बुधवार को लगभग साढ़े ग्यारह बजे हुआ। उन्होंने मां वृद्धांबिका एवं जगत जननी जगदम्बा का पूजन अर्चन करने के बाद अपना मत्था टेका, और विश्व कल्याण की कामना की।भागवत जी के स्वागत में ,हथियाराम महंत श्री भवानी नंदन जी के स्वामित्व में महंत पवाहारी बालकृष्ण यति कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने अपने मुखार बिंद से स्वागत गीत प्रस्तुत किया तदुपरान्त जय श्री राम के नारे लगाए गए। मां जगदम्बा की स्तुति "अयि गिरिनन्दिनी नन्दितमेदिनी विश्वविनोदिनी नन्दिनुते। गिरिवर

विन्ध्य शिरोधिनिवासिनि विष्णुविलासिनी जिष्णुनुते।।" मंत्र द्वारा की गई। बता दें की संघ प्रमुख मोहन भागवत जी इन दिनों पूर्वांचल में प्रवास पर हैं। जिसमें चौबीस घंटे का प्रवास सिद्ध पीठ हथियाराम में भी है। आज ही बुधवार को लगभग दो बजे शिव संकल्प संवाद होगा जिसमें वह आम जन मानस को संबोधित करेंगे।संघ प्रमुख मोहन भागवत के आगमन पर शासन प्रशासन दोनों चुस्त दुरुस्त था।व्यवस्था में कहीं व्यवधान उत्पन्न न हो इसके लिए चप्पे चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था तैनात की गई थी। हवन कुंड से लेकर के कैलाश भवन तक सजावट बारीकी से की गई है।

छात्र नेता दीपक उपाध्याय के नेतृत्व में जौनपुर तक डेमू ट्रेन संचालन के लिए सौंपा पत्रक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज बुधवार को पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय के नेतृत्व में छात्रों ने गाजीपुर सिटी से जौनपुर जंक्शन तक डेमू ट्रेन के परिचालन हेतु मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय वाराणसी में डीआरएम वाराणसी के नाम संबोधित पत्रक एडीआरएम ज्ञानेश त्रिपाठी को सौंपा। उन्हें डेमू ट्रेन गाजीपुर सिटी से नहीं चलने से होने वाली असुविधाए और जनता कि दुश्वारियो से भी अवगत कराया। पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय ने बताया कि वर्तमान समय में जो डेमू ट्रेन औड़िहार जंक्शन से जौनपुर जंक्शन तक चल रही है उस ट्रेन को गाजीपुर सिटी से परिचालन होने से गाजीपुर जनता को जौनपुर जंक्शन तक सफर करने में आसानी होगी चूंकि कोरोना काल से पहले ये डेमू ट्रेन गाजीपुर सिटी से जौनपुर तक अप-डाउन होती

थी परन्तु कोरोना काल खत्म होने के बाद इस डेमू ट्रेन का परिचालन गाजीपुर से न होकर औड़िहार से जौनपुर तक कर दिया गया जिससे गाजीपुर सिटी से जौनपुर आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है चूंकि गाजीपुर के सभी महाविद्यालय पूर्वांचल यूनिवर्सिटी जौनपुर से संबद्ध हैं इस वजह से तमाम छात्रों के साथ ही शिक्षकों को आने-जाने में असुविधा के साथ ही आर्थिक छति और मानसिक यातनाओं के साथ ही समय कि बबार्दी का सामना करना पड़ रहा है, छात्रों ने गाजीपुर सिटी से जौनपुर जंक्शन तक डेमू ट्रेन के परिचालन कि मांग कि है फलस्वरुप एडीआरएम ज्ञानेश त्रिपाठी ने शीघ्र उच्च अधिकारियों से पत्राचार कर डेमू ट्रेन गाजीपुर से चलाये जाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय, विकास तिवारी, संतोष कुमार, शैलेश यादव,शुभम बिन्द इत्यादि छात्र मौजूद रहे।

तमन्चा, कारतूस व मोटर साइकिल के साथ 10 हजार का इनामिया अभियुक्त गिरफ्तार

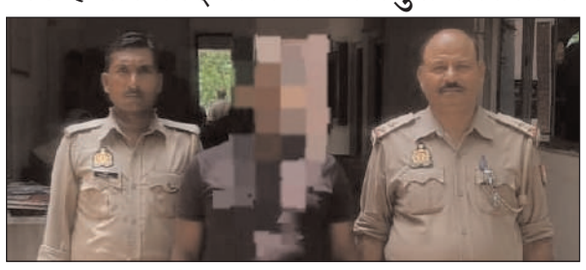

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों तथा अवैध शस्त्र तस्करी के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण मे मंगलवार को थानाध्यक्ष करण्डा मय टीम द्वारा संदिग्ध वाहन, व्यक्ति व रात्रिगश्त के दौरान मुखबीर की सूचना पर चाडीपुर तिराहे से चोचकपुर की तरफ जाने वाले रास्ते से, थाना दुल्लहपुर का 10,000 रुपया का इनामिया एक अदद नाजायज तमन्चा .315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर तथा एक अदद मोटर साइकिल टीवीएस अपाचे के साथ अभियुक्त राहुल चौहान पुत्र रामसुख चौहान निवासी ग्राम आनापुर सरयां थाना करण्डा जनपद गाजीपुर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरुद्ध थाना करंडा पर आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्त के ऊपर विभिन्न थानों में गोवध अधिनियम, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे दर्ज हैं गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार चौधरी थाना करण्डा, उप निरीक्षक राणा प्रताप राय थाना करण्डा, कांस्टेबल विशाल थाना करण्डा, कांस्टेबल सोनू सरोज थाना करण्डा, कांस्टेबल अंकित कुमार थाना करण्डा जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

ट्रक की चपेट में आने से अधेड़ की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के मुहम्मदपुर बाजार में ट्रक की चपेट में आने से एक अधेड़ की मौत हो गई ।आपको बताते चलें कि गंभीरपुर थाना क्षेत्र के नगरैया जहांनपुर निवासी राम सचन प्रजापति उम्र 58 वर्ष पुत्र मिट्ठू अपने घर से किसी कार्य के लिए सुबह लगभग 9:30 बजे मुहम्मदपुर से बिंद्रा बाजार जा रहा था कि जैसे ही वह मुहम्मदपुर बाजार में पहुंचा कि जौनपुर की तरफ से जा रहे अज्ञात ट्रक वाहन की चपेट में आ गया आनन-फानन में उसे उठाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुहम्मदपुर ले गए जहां पर चिकित्सक ने गंभीर हालत होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया और परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर लगभग 12:00 बजे उसकी मृत्यु हो गई।मृतक के 2 पुत्र व तीन पुत्रियां है जिसमें पुत्रियों की शादी हो चुकी है पुत्र अविवाहित है। मृतक की पत्नी कर्मा देवी का रो रो कर बुरा हाल था मृतक के भतीजे राजेश प्रजापति ने गंभीरपुर थाने में अज्ञात ट्रक व ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

शिल्पकारों ने माटीकला दिवस आयोजित कर मनाया 6वां स्थापना दिवस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सरकार द्वारा माटीकला शिल्पियों के उत्थान हेतु अधिसूचना जारी कर दिनांक-19 जुलाई 2018 को उ0प्र0, माटीकला बोर्ड की स्थापना की गयी थी। प्रदेश में माटीकला बोर्ड की स्थापना के पॉच वर्ष पूर्ण होने के उपरान्त दिनांक-19 जुलाई 2023 को माटीकला बोर्ड के छठें स्थापना दिवस के अवसर पर ह्यह्य माटीकला दिवस ह्लह्ल का आयोजन कार्यालय परिसर में पूर्वान्ह 11.00 बजे से 12.00 बजे तक किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ राजन प्रजापति जिला अध्यक्ष उ0प्र0 प्रजापति कुम्हार संघ जनपद-गाजीपुर एवं जिला ग्रामोद्योग अधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात विगत 05 वर्षों में माटीकला बोर्ड द्वारा की गयी उपलब्धियों के बारे में उपस्थित माटीकला के परम्परागत कारीगरों को अवगत कराया गया। पर्यावरण स्वस्थ्य तथा रोजगार सृजन के दृष्टिगत

माटीकला के उत्पादों के उपयोग तथा इसके प्रसार हेतु सभी को शपथ दिलाया गया। शपथ के उपरान्त जिला अध्यक्ष उ0प्र0 प्रजापति कुम्हार संघ को अंग वस्त्र एवं पुष्प देकर सम्मानित भी किया गया। संगोष्ठी में राजन प्रजापति जिला अध्यक्ष उ0प्र0 कुम्हार संघ एवं अधोहस्ताक्षरी द्वारा माटीकला उत्पादों का उपयोग करने से पर्यावरण संरक्षण एवं मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले अनुकूल प्रभाव तथा विविध लाभों को विस्तृत रूप से उपस्थित कारीगरों को अवगत कराया गया एवं उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार की योजनाओं में अधिक से अधिक आवेदन कर लाभ लेने हेतु प्रेरित किया गया। उसके बाद मिट्टी कला के पात्र को सूक्ष्म जलपान आदि कराया गया। संगोष्ठी में माटीकला कारीगरों के साथ-साथ विभागीय कर्मचारी रविश कुमार दूबे वरिष्ठ सहायक एवं कमला राम साहनी गुड़ विकास निरीक्षक एवं भारी संख्या में प्रजापति संघ एवं माटीकलाकार इत्यादि उपस्थित थे।

कायस्थ महासभा ने मनाई महाकवि व प्रख्यात गीतकार गोपाल दास नीरज की पुण्यतिथि

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के तत्वाधान में महाकवि एवं प्रख्यात गीतकार गोपालदास नीरज जी की पुण्यतिथि के अवसर पर महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के चंदन नगर स्थित आवास पर माल्यार्पण कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी आयोजित हुई। इस अवसर पर महासभा के सभी कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया और उन्हें याद करते हुए उनके गीतों को भी गुनगुनाया। जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि नीरज जी हिन्दी के साहित्यकार, कवि, शिक्षक के साथ साथ महान गीतकार थे। गीतों के राजकुमार कहे जाने वाले हिंदी के महान गीतकार नीरज जी का जीवन यात्रा स्वयं एक गीत के समान रही। स्वरों के लहर के उतार चढ़ाव को अमूल्य शब्दों से सजाने वाले नीरज जी खुद समय के मोड़ पर खड़े होकर अपनी जिंदगी को देखते हुए कहते रहे "और हम झुके झुके, मोड़ पर रूके रूके,उम्र के चढ़ाव का, उतार देखते रहे। हिंदी मंचीय

कविता के गौरव रहे नीरज जी ने न केवल फिल्मी गीत लिखे बल्कि गजल, मुक्तक, और दोहे भी लिखे। वह पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्हें सरकार ने शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में दो दो बार पद्मश्री और पद्मभूषण से सम्मानित किया। फिल्मी गीत लेखन के लिए उन्हें तीन बार फिल्म फेयर पुरस्कार से नवाजा गया। उन्हें पिछले समाजवादी पार्टी के शासन काल में मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाषा संस्थान का अध्यक्ष नामित कर कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया था। उन्होंने कहा कि उनकी रचनाओं के संसार का इतना बड़ा फलक था कि उनके चाहने वाले लोग आजीवन उन्हें अपने दिलों में जिंदा रखेंगे। उनकी आवाज और गीत सुनने वालों के दिलो-दिमाग में उतर जाया करती थी, उनकी आवाज और गीतों में नशा शराब से भी ज्यादा था। उन्हें समाजवादी पार्टी की सरकार ने यश भारती सम्मान से भी सम्मानित किया था। इस अवसर पर चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, अमरनाथ श्रीवास्तव, मोहनलाल श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, अनूप कुमार श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव , विजय प्रकाश श्रीवास्तव, सुधांशु, अश्वनी कुमार श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव, अमर सिंह राठौर, अजय कुमार श्रीवास्तव, हिमांशु, हर्ष, आर्यन, मेघा, रियाआदि उपस्थित रहे। इस गोष्ठी का संचालन जिला महामंत्री अरुण सहाय ने किया।

स्मृति शेष

जितना कम सामान रहेगा
उतना सफर आसान रहेगा,
जितनी भारी गठरी होगी
उतना तू हैरान रहेगा।
हाथ मिले और दिल न मिले
ऐसे में नुक्सान रहेगा,
जब तक मंदिर और मस्जिद है
मुश्किल में इंसान रहेगा ।

--गोपाल दास नीरज

प्रशिक्षण लेने आए चेन्नई के विद्यार्थियों का कुलपति ने किया स्वागत

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गुरु नानक महाविद्यालय आटोनामस चेन्नई के अतिथियों और प्रशिक्षण लेने आए विद्यार्थियों का कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने बुधवार को कुलपति सभागार में स्वागत किया। विश्वविद्यालय के साथ हुए एमओयू के तहत 11 विद्यार्थी विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण के लिए आएं हैं। इसमें आठ विद्यार्थी लाइफ साइंस और तीन विद्यार्थी गणित विभाग में 10 दिन का प्रशिक्षण लेंगे। उद्घाटन समारोह के बाद से प्रशिक्षण शुरू हो गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में अच्छे अनुसंधान हो रहे हैं। यहां के वरिष्ठ प्रोफेसरों से उन्हें काफी अनुभव और सीख मिलेगी। साथ ही विद्यार्थी यहां के बारे में एक अच्छा संदेश लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बाद अब हम फैकल्टी एक्सचेंज की दिशा में काम करेंगे। गुरु नानक कालेज की प्रो. डा. भारती ने कहा कि विश्वविद्यालय में हमारे बच्चों को कुछ अच्छा सीखने को मिलेगा। यहां का लैब अत्याधुनिक है। इसका लाभ हमारे विद्यार्थियों को जरूर मिलेगा। विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने कहा कि माइक्रोबायोलॉजी में चार दिन खाने-पीने की सामग्री में मिलावट, बायोटेक्नोलॉजी में तीन दिन कंप्यूटेशनल बायोलॉजी और दो दिन मशरूम प्रशिक्षण केंद्र और एक दिन फामेर्सी लैब में प्रशिक्षण लेंगे। सभी की निगरानी संकायाध्यक्ष करेंगे। गुरुनानक चेन्नई की एमओयू नोडल अधिकारी डा. डाली ने कहा कि हम लोग के समझौते का फोकस अभी विद्यार्थियों पर है। खासतौर से हमारे विद्यार्थी यहां सोशल, एकेडमिक, रिसर्च के क्षेत्र में आदान-प्रदान करने के लिए आएं है। आगे हम फैकल्टी समेत अन्य प्रोग्राम भी साथ चलाएंगे। समारोह का संचालन नोडल अधिकारी डा. मनोज पांडेय ने और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. मुराद अली ने किया। इस अवसर पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राय छात्र अधिष्ठाता प्रो. अजय द्विवेदी, सहायक कुलसचिव अजीत सिंह ने भी विचार व्यक्त किए।

संक्षिप्त खबरें

पौध भिक्षा कार्यक्रम में कुलपति को भेंट किए गए 25 पौधे

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय को पौध भिक्षा के रूप में बुधवार को 25 पौध दिए गए। महाविद्यालय के प्राचार्यों ने कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य को संकाय भवन में पौधे भेंट किया। पौधारोपण का कार्यक्रम विश्वविद्यालय निकट पुलिस चौकी स्थित मैदान में किया गया। यह कार्यक्रम बायोटेक्नोलॉजी विभाग के डा. मनीष कुमार गुप्ता की निगरानी में चलता रहेगा। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वृक्षारोपण महाअभियान 2023 के अंतर्गत जुलाई एवं अगस्त में महीने में 35 करोड़ पौधों का रोपण किया जाना है । उत्तर प्रदेश पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड वाराणसी को पौधे प्रदान करने हेतु बायोटेक्नोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा अनुरोध किया गया था। इस क्रम में सिरकोनी रेलवे यार्ड उत्तर प्रदेश जौनपुर द्वारा औद्योगिक व इमारती प्रजाति , फलदार प्रजाति अर्जुन, कांजी के पौधे को बायोटेक्नोलॉजी विभाग एवं माइक्रोबायोलॉजी को उपलब्ध कराए गए । पौधारोपण कार्यक्रम 20 दिनों तक चलता रहेगा। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रोफेसर सुधाकर सिंह गन्ना कृषक महाविद्यालय जौनपुर द्वारा 10 पौधे विश्वविद्यालय को दान किए, प्रो. अल्केश्वरी बयालसी महाविद्यालय जौनपुर द्वारा 5 पौधे दान किए गए तथा कुटीर पीजी महाविद्यालय के द्वारा 10 पौधे दान किए गए। पौधारोपण का कार्यक्रम विश्वविद्यालय निकट पुलिस चौकी स्थित मैदान में किया गया। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष राजेश शर्मा, प्रो. वंदना राय , प्रो. रमेश मणि त्रिपाठी, प्रो. सुधाकर सिंह, प्रो. अलकेश्वरी सिंह, डॉ मनीष कुमार गुप्ता, डा. एसपी तिवारी, डॉ सुनील कुमार, डा. दिग्विजय सिंह राठौर, ऋषि श्रीवास्तव, डा. विवेक कुमार पांडेय, डा. अवधेश मौर्य आदि उपस्थित थे।

हिना के लिए देवदूत बनी बानर सेना

प्रखर चंदवक जौनपुर। कहते हैं कि जिसका कोई नहीं होता उसका भगवान होता है। इसी कहावत को मूर्त रूप दे रही है वानर सेना! बता दें कि कोरोना काल में वानर सेना का गठन हुआ था। आज वानर सेना लाखों असहाय गरीबों की आशा और उम्मीद बनी हुई है। किसी को खून की जरूरत हो, इलाज के लिए धन की जरूरत हो नौकरी की जरूरत हो या किसी भी प्रकार की अन्य सहयोग की जरूरत हो वानर सेना से गुहार लगाए और उसका काम निःसंदेह होता ही है। उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरे देश में वानर सेना लाखों असहायों का सहयोग कर चुकी है और निरन्तर कर भी रही है। ऐसा ही एक सहयोग का वाक्य जौनपुर जिले के केराकत तहसील अंतर्गत आने वाले गांव बरईछ का है। जहां पर एक असहाय बेहद ही गरीब लड़की हिना बेनबंसी का बानर सेना ने मिलकर लोगो से अपील करके सहयोग कराया है, जिससे उसका इलाज बेहतर ढंग से हो सकेगा। बता दें कि हिना का पैर सड़क दुर्घटना में बुरी तरह टूट गया था। पैसे की कमी की वजह से उसका इलाज संभव नहीं हो सका था। लेकिन वानर सेना से जब अपील की गई, तो उन्होंने दिन रात एक करते हुए लोगों से सहयोग मांगा और लोगो से दिल खोलकर सहयोग किया। इसके अलावा वेनवंशी फाउंडेशन ने भी अपनी तरफ से इलाज के लिए अधिकतम सहयोग प्रदान किया। हिना और उसकी मां ने वानर सेना व वेनवंशी फाउंडेशन को तहे दिल से धन्यवाद दिया। हिना की मां ने कहा कि मेरी बेटी की जिंदगी बचाने के लिए वानर सेना व वानर सेना के संरक्षक अजीत सिंह भैया का मैं आजीवन आभारी रहूंगी। वानर सेना के पदाधिकारी उनके घर पर पहुंचकर सहयोग राशि प्रदान किए। सहयोग राशि प्रदान करने वालों में वानर सेना के राष्ट्रीय सचिव आशीष सिंह बादल, जिला सचिव बानर सेना पंकज बेनबंसी व कवींद्र उपाध्याय सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

सरिया लदी ट्रैक्टर से टकराने से बाइक सवार छात्रा की मौत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के बिंदा मोड़ पर बुधवार को सुबह साढ़े 11 बजे सरिया लदी ट्रैक्टर से बाइक टकरा गई। जिससे उसपर सवार छात्रा की मौत हो गई। जबकि बाइक चला रहा छात्रा का मित्र बाल बाल बचा। बताया जाता है कि जौनपुर के कलीचाबाद थाना लाइन बाजार निवासी अभिषेक शंकर श्रीवास्तव अपने साथ पढ़ रही निकहत सिद्दीकी को बाइक से लेकर जौनपुर से बनारस जा रहा था। रास्ते में बिंदा मोड़ के पास सरिया लदी ट्रैक्टर मोड़ से लिंक रोड की तरफ मुड़ रही थी। इसी दौरान तेज रफ़्तार से आ रही बाइक पर बैठी निकहत 23 वर्ष के सर में सरिया से गम्भीर चोट लग गई और अत्यधिक रक्तश्राव होने लगा। आनन फानन में छात्रा को आटो रिक्शा में बैठाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिंडरा लाया गया। जहां डाक्टरों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं